सुविचार

विपत्ति में, विरोध में अडिग रहो, अटल रहो, विषम समय के चक्र में भी साहसी प्रबल रहो।

–रामधारी सिंह 'दिनकर'

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 15 June 2025 ● Year : 03 ● Issue : 150 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Disha Patani Enjoys Birthday Lunch...

हकीकत जानने घटनास्थल पर पहुंची एनआईए और एनएसजी की टीम

आतंकी एंगल से भी की जाएगी अहमदाबाद विमान हादसे की जांच

- मृतकों का आंकड़ा पहुंचा 275, 248 शवों की हुई डीएनए जांच, 11 का हुआ मैच
- 8 घायलों का चल रहा इलाज, एक की हालत गंभीर
- हादसे की जांच के लिए केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में गठित की गई है कमेटी
- सिविल एविएशन मिनिस्टर के. राममोहन नायडू ने कहा- 3 महीने में पूरी होगी जांच

AGENCY AHMEDABAD :

सरकार ने अहमदाबाद विमान हादसे की हर एंगल से जांच करने का निर्देश दिया है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिकारियों ने भी अहमदाबाद के मेघाणीनगर में दुर्घटनास्थल का दौरा किया था। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो, डीजीसीए, अहमदाबाद अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस सहित अन्य एजेंसियां इस घटना की जांच में शामिल हैं। इधर, अहमदाबाद में विमान हादसे में मृतकों का आंकड़ा 275 हो चका है। मृतकों के शवों को रखने के लिए 170 ताबूत का ऑर्डर दिया गया है। बड़ोदरा के शख्स ने बताया कि एअर इंडिया के मैनेजर ने फोन कर ताबूतों का ऑर्डर दिया। इधर, अहमदाबाद सिविल अस्पताल के डिप्टी सिविल सुपरिटेंडेंट रजनीश पटेल ने शनिवार को कहा- अब तक 248 शवों का डीएनए सैंपल्स का क्रॉस वेरिफिकेशन हुआ है, जिसमें से 11 का डीएनए मैच हुआ है। पटेल ने कहा कि पूर्णिमाबेन पटेल का शव उनके परिवार को सौंपा गया है। एक और परिवार को बॉडी हैंडओवर की प्रक्रिया जारी है। 8 घायलों इलाज का चल रहा है, इसमें एक की हालत गंभीर है।

विमान के पिछले हिस्से में फंसा हुआ दिखा शव

सिविल एविएशन मिनिस्टर के. राममोहन नायडू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया- पहले दिन से हादसे की जांच जारी है। केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इससे पहले बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। मंत्री राममोहन नायडू ने मीडिया से कहा- अहमदाबाद विमान हादसे ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है, पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे।

पायलट का आखिरी मैसेज सामने आया

प्लेन क्रैश मामले में विमान के पायलट सुमित सभरवाल का एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) को भेजा गया आखिरी मैसेज सामने आया है। 4-5 सेकेंड के संदेश में सुमित कह रहे हैं, 'मेडे, मेडे, मेडे... थ्रस्ट नहीं मिल रहा। पावर कम हो रही है, प्लेन उठ नहीं रहा। नहीं बचेंगे।' एयर इंडिया ने कहा- एविएशन मिनिस्ट्री के आदेश के बाद अबतक 9 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर का वन टाइम सेफ्टी चेक पूरा हो चुका है।

इंडियन फ्लीट में शामिल बोइंग ड्रीमलाइनर 787 सीरीज की जांच के आदेश

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भारतीय विमान बेड़े में मौजूद बोइंग ड्रीमलाइनर 787 सीरीज के विमानों की जांच बढ़ाने का आदेश जारी किया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने शनिवार को कहा- 8 बोइंग 787 सीरीज के विमानों की पहले ही तत्काल जांच और निरीक्षण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में बहुत सख्त सुरक्षा मानक हैं। जब यह घटना हुई तो हमें भी लगा कि बोइंग 787 सीरीज का इंस्पेक्शन करने की जरूरत है।

परीक्षा में बैठे थे 22 लाख से अधिक स्टूडेंट्स, 12.36 लाख हुए क्वालिफाई

नीट यूजी-2025 का रिजल्ट जारी राजस्थान के महेश ने किया टॉप

AGENCY NEW DELHI :

शनिवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) नई दिल्ली की ओर से देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2025 का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया। परीक्षा में 22 लाख से अधिक स्टूडेंट्स बैठे थे। इनमें से 12.36 लाख स्टूडेंट्स क्वालिफाई हुए हैं। राजस्थान के हनुमानगढ़ निवासी महेश केसवानी ने 720 में से 686 नंबर हासिल कर टॉप किया है। इंदौर के उत्कर्ष अवधिया की द्वितीय और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी की तृतीय रैंक आई है। टॉप 10 में केवल दिल्ली की अविका अग्रवाल को फीमेल कैटेगरी में पहला स्थान मिला है। जनरल तथा ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के लिए नीट यूजी 2025 की क्वालीफाइंग कट ऑफ में 18 अंकों का गिरावट देखने को मिली है। गत वर्ष 2024 के मुकाबले 162 अंक से गिरकर 144 अंक हो गई है। वर्ष 2025 में ओबीसी, एससी, एसटी कैटेगरी की क्वालीफाइंग कट ऑफ में भी 14 अंकों की गिरावट देखने को मिल रही है। ओबीसी, एससी, एसटी कैटेगरी की क्वालीफाइंग कट ऑफ 127 अंकों से घटकर 113 अंक हो गई है। इसका सबसे बड़ा कारण इस वर्ष के प्रश्न पत्र का विगत 10 वर्षों में सबसे कठिन होना है। क्वालीफाइंग कट ऑफ का घटना भी कैंडिडेट्स के प्रश्न पत्र को पूर्णतः एटेम्पट नहीं कर पाना है। फिजिक्स का पेपर इस वर्ष किसी भी कैंडिडेट के सिलेक्शन एवं रैंक्स की निश्चितता में एक अहम भूमिका निर्धारित करता हुआ देखा जा रहा है ।

केसवानी ने 686 नंबर किए हासिल, इंदौर के उत्कर्ष को द्वितीय व महाराष्ट्र के कृषांग जोशी को मिली तृतीय रैंक

महेश केसवानी – ऑल इंडिया टॉपर | उत्कर्ष अवधिया – सेकेंड टॉपर | कृषांग जोशी – थर्ड टॉपर

गिरिडीह के हिमांशु बने स्टेट टॉपर

GIRIDIH : नीट परीक्षा में गिरिडीह जिले के सरिया निवासी हिमांशु कुमार झारखंड टॉपर बने हैं। उन्होंने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 134वां रैंक प्राप्त कर पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है। हिमांशु ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। वे वर्ष 2025 के झारखंड एकेडमिक काउंसिल साइंस की परीक्षा में भी झारखंड के तीसरे टॉपर रहे थे। हिमांशु के पिता का ओमप्रकाश पंडित सरिया में ही बिजली की दुकान चलाते हैं। हिमांशु ने अपनी 10वीं तक की शिक्षा सरिया के डीएवी स्कूल से प्राप्त की है। इसके बाद उन्होंने 12वीं की पढ़ाई बिष्णुगढ़ कॉलेज से पूरी की, जहां उन्होंने जैक 12वीं की परीक्षा में भी तीसरा स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था।

SARAFA

सोना	:	9,500
चांदी	:	120.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

विनय चौबे की याचिका पर 20 जून को सुनवाई

RANCHI : झारखंड शराब घोटाला के आरोपी व राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी विनय चौबे की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में 20 जून को सुनवाई होगी। शुक्रवार को उनके केस की सुनवाई होनी थी और उनका मामला हाईकोर्ट में सूचीबद्ध भी था। लेकिन समय के अभाव के कारण उनके केस की सुनवाई नहीं हो पाई। जिसके बाद हाईकोर्ट में उनकी याचिका पर अगली सुनवाई की तिथि 20 जून मुकर्रर की गई है।

पेयजल घोटाला : ईडी ने की कार्रवाई

संतोष कुमार की ₹42.85 लाख मूल्य की संपत्ति जब्त

PHOTON NEWS RANCHI :

एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पेयजल घोटाले में संतोष कुमार की 42.85 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। इसके साथ ही पेयजल घोटाले में ईडी द्वारा जब्त की गई कुल संपत्तियों की कीमत 7.25 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। ईडी ने पेयजल विभाग द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर इस घोटाले की जांच शुरू की थी। विभाग ने दो करोड़ रुपये की फर्जी निकासी के मामले में लिपिक संतोष कुमार के खिलाफ सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। ईडी ने प्रारंभिक जांच के दौरान संतोष के खाता के सहारे 23 करोड़ रुपये की निकासी का मामला पकड़ा था।

- अब तक जब्त की गई कुल संपत्तियों की कीमत 7.25 करोड़ रुपये तक पहुंची
- विभाग ने दो करोड़ रुपये की फर्जी निकासी के मामले में लिपिक के खिलाफ दर्ज कराई थी एफआईआर

सरकार ने विजिलेंस क्लीयरेंस इंफॉरमेशन सिस्टम को दी मंजूरी

RANCHI : झारखंड सरकार ने सरकारी कर्मियों की पदोन्नति प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और तेजी से पूरा करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब ऑनलाइन निगरानी स्वच्छता प्रमाण पत्र की व्यवस्था शुरू की गई है, जिससे प्रमोशन प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होगा। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश में सभी विभागों को इस सिस्टम को लागू करने के निर्देश दिया गया है। कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने एचआरएमएस के तहत विजिलेंस क्लीयरेंस इंफॉरमेशन सिस्टम विकसित किया है। इस प्रणाली के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 से ऑनलाइन निगरानी स्वच्छता प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाएगा।

चतरा पुलिस को बड़ी कामयाबी : ब्राउन शुगर बनाने की लोहे की संरचना जब्त

अफीम-ब्राउन शुगर का सप्लायर साली के साथ अरेस्ट

PHOTON NEWS CHATRA :

अफीम और ब्राउन शुगर के स्टॉकिस्ट के रूप में चर्चित तस्कर रोशन दांगी को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। उसके पास से लगभग 2 करोड़ के ड्रग्स बरामद हुए हैं। साथ ही 47.57 लाख रुपये कैश भी मिले हैं। पुलिस को उसके पास से अफीम से ब्राउन शुगर बनाने की लोहे की संरचना भी मिली है। यह जानकारी चतरा एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। पुलिस ने 287 ग्राम ब्राउन शुगर, 11.172 किलोग्राम अफीम और 44 लाख 57 हजार 350 रुपये नकद के साथ महिला तस्कर रूबी देवी को भी गिरफ्तार किया गया है। रूबी राजपुर थाना के बुढ़ीगड़ा निवासी शंभु दांगी की पत्नी है। वह रोशन की साली है। एसपी ने तस्करों को कड़ी चेतावनी भी दी है।

दो करोड़ के ड्रग्स और 44.57 लाख कैश बरामद, एसपी ने दी जानकारी

- 287 ग्राम ब्राउन शुगर और 11.172 किलोग्राम अफीम जब्त
- महिला तस्कर रूबी राजपुर थाना के बुढ़ीगड़ा निवासी शंभु दांगी की है पत्नी
- तस्करी का मास्टर माइंड रोशन एनडीपीएस एक्ट के मामले में 2021 में भी जा चुका है जेल

दो दिन पहले आरोपी की एक अन्य साली की हुई थी गिरफ्तारी

दो दिन पहले तस्कर रोशन की एक अन्य साली पत्थलगडा के कुम्हारटोली निवासी मधु कुमारी की गिरफ्तारी हुई थी। उसके पास से 10 करोड़ के अफीम और ब्राउन शुगर के साथ नकदी 23.60 लाख रुपये मिले थे। उसी की निशानदेही पर रोशन और रूबी पकड़े गए हैं। तेतरिया गांव निवासी रोशन कुमार दांगी उर्फ भगीरथ दांगी ने तस्करी में कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

नौकरशाही

विशाल भजन भाव

डॉ. ब्रजेश मिश्र

झारखंड की नौकरशाही में कुछ लोगों ने सफलता के नए पैमाने गढ़े हैं। नई पीध इन्हीं पैमानों को आदर्श मानकर उसी राह चलने की कोशिश कर रही है, लेकिन कहते हैं ना, मंजिल पाने और मंजिल पर टिके रहने में बहुत फर्क होता है। जानें क्या कुछ चल रहा है अंदरखाने, द फोटोन न्यूज के एजीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

इस मोहल्ले से लेकर उस मोहल्ले तक भजन की पंक्तियां फिजां में गूंज रही हैं- 'भज गोविंदम, भज गोविंदम, भज गोविंदम मूढ़मते।' चौंकिए नहीं, भजन में मूढ़ का अर्थ कुछ अलग है। बात शुरू करने के लिए कुछ बात तो चाहिए। इसलिए इस भजन का उल्लेख किया। कहा जाता है कि आदि शंकराचार्य इस भजन को भजते थे। खैर, छोड़िए। अब इस प्रसंग को सियासत और नौकरशाही के गठजोड़ की ओर ले चलते हैं। ईश्वर का नाम भजना अभीष्ट की प्राप्ति का मार्ग बताया जाता है। यहां तो अभीष्ट का संदर्भ सूबेदार का सान्निध्य प्राप्त करने तक सीमित है। सान्निध्य मिल जाए, तो वेटिंग फॉर पोस्टिंग का संक्रमण काल खत्म हो। 'मियां की दौड़ मस्जिद तक' चल पड़ी है। पहले भी चलती रही है। इस बार भी कुछ लोगों को अभीष्ट प्राप्त हो ही जाएगा। कुछ को प्राप्त हो ही चुका है। क्या कुछ चल रहा है और क्या होने जा रहा है, इसी उधेड़बुन में गुरु की याद सताने लगी। देर करना उचित नहीं लगा। पहुंच गया उनके पास। पूछा, और गुरु, आप तो सब जान रहे हैं, देख रहे हैं। आखिर क्या हो रहा है। कुछ बताएं। गुरु मंद-मंद मुस्कराए। बोले, पहले इस गाने के बोल सुनो... कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता, कहीं जमीं तो कहीं आसमां नहीं मिलता...। उनकी गूढ़ बातें समझने की कोशिश कर रहा था। समझ नहीं पाया। पूछा, आप क्या कहना चाह रहे हैं, रहस्य की परतें तो खोलिए। गुरु बोले, इसमें रहस्य-वहस्य जैसी कोई बात नहीं है। यहां सारा आकाश उड़ने के लिए है। ठिकाना पाने के लिए उड़ान भरी जा रही है। विशाल सागर है। तैरकर पार करने की होड़ लगी है। कुछ सफल होते हैं, कुछ नहीं। यह तो बहुत कुछ इस पर निर्भर करता है कि भजन किस तरीके से किया। अब गुरु कुछ ज्यादा ही आध्यात्मिक हो चले थे। अपना धैर्य भी जवाब देने लगा था। मनोभाव को गुरु समझ गए। कहा- सुनो, एक कथा सुनाता हूं- महादेव के धाम में एक सिपहसालार रहे थे। मूल रूप से दक्कन के। अपने तौर-तरीकों को लेकर सियासी हलके में भी दूर तक चर्चा में रहे। एक सियासतदान से टकराव ने तो पूरे देश में सुर्खियां बटोरीं। तौर-तरीके किसी को असहज करने वाले थे, तो कोई खुश भी था। खुशी वाले का पलड़ा भारी था, सो पुरस्कार मिला। आंखों का तारा बनाकर बिठा लिया अपने पास। जाहिर है, कुछ संगी-साथियों ने भी सोचा कि इसी तरह जंत्री लेकर भजन किया जाए। करने भी लगे। एक को कुछ सफलता भी मिली। उसी महादेव की नगरी में जंत्री-माला लेकर पहुंच गए। सोचा कि उन्हीं के रास्ते खासमखास बनकर लौटेंगे। अफसोस! ऐसा हो न सका। नाम सुनकर विशालता झलकती है, लेकिन इस विशाल व्यक्तित्व की खुशी ज्यादा दिन नहीं रह सकी। शायद कहीं कोई कमी रह गई। अब इस इंतजार में हैं कि फिर कोई नया पता-ठिकाना मिल जाए तो आवास व आवासीय कार्यालय के बाहर नेमप्लेट लग जाए। कथा का संदेश यही है कि यह जरूरी नहीं कि दूसरों को देख उसके तौर-तरीके अपनाने से अभीष्ट प्राप्त हो ही जाए। अब माजरा समझ में आने लगा था। लिहाजा नए सवालों के जवाब खोजने निकल लिया।

आईईडी विस्फोट की चपेट में आकर सीआरपीएफ का जवान शहीद, रांची पहुंचा शव

PHOTON NEWS CHAIBASA :

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट की चपेट में आकर सीआरपीएफ जवान (सहायक अवर निरीक्षक) सत्यवान कुमार सिंह शहीद हो गए। वे 134वीं बटालियन के सदस्य थे और उत्तर प्रदेश स्थित कुशीनगर जिले के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ और ओडिशा पुलिस की ओर से झारखंड और ओडिशा के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय नक्सलियों के विरुद्ध संयुक्त ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इसी बीच शनिवार को सुबह 5 बजे यह घटना हुई। सर्च ऑपरेशन के दौरान ओडिशा के राउरकेला स्थित के. बलांग थाना अंतर्गत जंगल में नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए आईईडी में ब्लास्ट हुआ था। घटना के तत्काल बाद उन्हें इलाज के लिए राउरकेला के अपोलो अस्पताल भेजा गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। झारखंड और ओडिशा के सीमावर्ती क्षेत्र में आईईडी विस्फोट के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे सारंडा वनक्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज कर दिया है। इस संबंध में पश्चिमी सिंहभूम जिले के एसपी राकेश रंजन ने बताया कि घायल जवान को उचित चिकित्सा सहायता दी जा रही थी, लेकिन इलाज के दौरान वे शहीद हो गए। शहीद जवान को सीएम व राज्यपाल ने श्रद्धांजलि दी।

झारखंड-ओडिशा सीमा पर बलांग थाना क्षेत्र में हुई घटना

विस्फोटक बरामद करने के लिए चल रहा था संयुक्त अभियान

27 मई को ओडिशा के के .बलांग थाना क्षेत्र के रेलाहातूबांको के पास से नक्सलियों ने 5 टन विस्फोटक लूट लिया था। उसके बाद से ओडिशा और झारखंड पुलिस का संयुक्त अभियान चल रहा है। हालांकि पुलिस को कुछ सफलता मिली थी, कुछ विस्फोटक भी बरामद हुए हैं। भाकपा-माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा के खिलाफ सुरक्षाबलों का ऑपरेशन चल रहा है। पुलिस के अनुसार, ये सभी अपने दस्ते के साथ सारंडा वन क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों के लिए भ्रमणशील हैं।

न्यू रिसर्च सहज जीवन जीने के लिए दिल और फेफड़ों की मजबूती जरूरी

तय समय पर नियमित काम करने से बेहतर रहेगी हृदय की सेहत

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

सामान्य बोलचाल में भी कहा जाता है कि रात में जल्दी सोने और सुबह में जल्दी उठने से सेहत की बुलंदी लंबे समय तक बनी रहती है। इतना ही नहीं, बुढ़ापे में जीवन को सहज और सरल बनाए रखने के लिए नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों में सक्रियता की जरूरत होती है। जैव विज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, उम्र बढ़ने के साथ शरीर के बाहरी और भीतरी अंगों की कार्य क्षमता घटती है, लेकिन उनकी सक्रियता बनाए रखने के लिए तय समय पर नियमित कार्य करना अत्यंत लाभदायक होता है। हाल में किए गए रिसर्च से यह जानकारी मिली है कि यदि इंसान रोज की शारीरिक गतिविधि निरंतरता के साथ एक ही वक्त पर करे, तो यह उसकी कार्डियोरेस्पिरेटरी यानी हृदय और सांस से जुड़ी फिटनेस और चलने की क्षमता को बेहतर करता है। यह सेहत के साथ बुढ़ापा जीने के दो अहम पहलू हैं। यह खुलासा मेडिसिन एंड साइंस इन स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज नामक जर्नल में प्रकाशित शोध के नतीजों में हुआ है।

उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए रेगुलर एक्टिविटी का बढ़ जाता है महत्व

शरीर के बाहरी और भीतरी अंगों की कार्य प्रणाली में संतुलन की होती है आवश्यकता

- शारीरिक गतिविधियों की निरंतरता कार्डियो-पल्मोनरी सिस्टम को बनाता है मजबूत
- फ्लोरिडा कॉलेज ऑफ मेडिसिन यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने किया विशेष अध्ययन
- 'मेडिसिन एंड साइंस इन स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज' नामक जर्नल में प्रकाशित की गई है रिपोर्ट

24 घंटे की अवधि में हमारी गतिविधियों को नियंत्रित करती हैं जैविक घड़ियां

शारीरिक गतिविधि के वक्त की अहमियत

शोध के नतीजों यह स्पष्ट रूप से जानकारी मिली कि जो बुजुर्ग प्रतिभागी सुबह जल्दी और नियमित समय पर सक्रिय रहते थे, उनके दिल और फेफड़ों की क्षमता उन लोगों की तुलना में बेहतर थी, जो देर से या अनियमित समय पर सक्रिय रहते थे। एसर के मुताबिक, हम पहले से जानते हैं कि शारीरिक सक्रियता उम्र बढ़ने में मददगार होती है।

शोध की प्रक्रिया में शामिल हुए 800 बुजुर्ग

अमेरिका के फ्लोरिडा कॉलेज ऑफ मेडिसिन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और शोध के मुख्य लेखक कैरिन एस्सेर के मुताबिक, इंसान की प्रणाली में दैनिक लय पैदा करने वाली जैविक घड़ी उसके फायदे के लिए जरूरी और बेहद अहम हैं। शोध के लिए औसतन 76 साल की उम्र के 800 बुजुर्गों की कलाई पर उनकी गतिविधि की निगरानी के लिए खास उपकरण पहनाए गए थे। इनके जरिये इन उम्रदराज लोगों की शारीरिक गतिविधियों की एक हफ्ते तक निगरानी की गई। इसके तहत उनके हृदय और फेफड़ों की सेहत का मूल्यांकन कार्डियोपल्मोनरी (हृदय और फेफड़ों से जुड़ा) व्यायाम परीक्षण से किया गया। रिसर्च के निष्कर्ष में पाया गया किजिन बुजुर्गों की दिनचर्या में स्पष्ट सक्रियता के समय और आराम के समय का अंतर था यानी वे दिन में अधिक चलते-फिरते थे और रात को आराम करते थे, उनकी दिल-फेफड़ों की सेहत और चलने की क्षमता बेहतर पाई गई।

इजरायली हमले में 24 घंटे में 138 ईरानियों की मौत

NEW DELHI : इजरायल और ईरान के बीच टकराव दूसरे दिन भी जारी रहा। पिछले 24 घंटे में ईरान में 138 लोग मारे गए हैं। इजरायल ने शुक्रवार रात 10:30 बजे दूसरी बार ईरान के परमाणु ठिकानों पर फाइटर प्लेन से हमले किए। इस हमले में 60 लोगों की मौत हो गई। जबकि 350 से ज्यादा लोग घायल हुए। इससे पहले ईरान में शुक्रवार सुबह 5:30 बजे हुए हमले में 78 लोग मारे गए थे। इनमें 6 परमाणु वैज्ञानिक और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल थे। ईरान ने शुक्रवार रात हमले के तुरंत बाद पलटवार किया और इजरायल की ओर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। 6 मिसाइलें राजधानी तेल अवीव में गिरीं, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। 90 से ज्यादा लोग घायल हुए। ईरान ने दावा किया है कि मिसाइल इजरायली रक्षा मंत्रालय पर भी गिरी। हालांकि अभी तक इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को सुरक्षित ठिकाने पर शिफ्ट कर दिया गया है।

कविता की तरह रही मेघालय यात्रा

घुमक्कड़ की पाती

मेरी यह यात्रा गुवाहाटी एयरपोर्ट से शुरू हुई। जैसे ही विमान ने ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर उतरना शुरू किया, खिड़की के बाहर दूर-दूर तक हरियाली की चादर फैली दिखी। यह दृश्य ही मेरे भीतर का शोर शांत करने लगा। गुवाहाटी से शिलांग की दूरी लगभग तीन घंटे की है। टैक्सी वाले भूपेन दा, जिनकी मुस्कान पहली ही भेंट में भरोसेमंद लगी, मुझे बादलों के भीतर ले जाने लगे। रास्ते में पहाड़ों की हरियाली, छोटे-छोटे झरने, कभी-कभार उगते सूरज की किरणें और नीले आसमान के बीच सफेद बादल, ये सब मिलकर जैसे एक पेंटिंग बनाते रहे। शिलांग पहुँचना जैसे किसी पुराने प्रेमपत्र को पढ़ना था। धीमी, मधुर और भावनाओं से भरी अनुभूति।

हर यात्रा अपने आप में एक कथा होती है। कुछ स्मृतियाँ, कुछ सुगंधें, कुछ दृश्य और कुछ अनकहे संवाद। दिल्ली के शोरगुल और धुएं भरे माहौल से निकलकर जब मैंने मेघालय की ओर तीन दिन का सफर तय करने की ठानी, तब मन में केवल एक ख्वाहिश थी, कहीं कुछ ऐसा देखने का, जो मेरे भीतर की थकान को धो दे। मेघालय, अर्थात बादलों का घर, बस नाम से ही एक नमी सी दिल में उतरती थी। जब वहाँ पहुँचा तो लगा जैसे कोई लोककथा अपने आप में मुझे समेट रही हो।

मेरी यह यात्रा गुवाहाटी एयरपोर्ट से शुरू हुई। जैसे ही विमान ने ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर उतरना शुरू किया, खिड़की के बाहर दूर-दूर तक हरियाली की चादर फैली दिखी। यह दृश्य ही मेरे भीतर का शोर शांत करने लगा। गुवाहाटी से शिलांग की दूरी लगभग तीन घंटे की है। टैक्सी वाले भूपेन दा, जिनकी मुस्कान पहली ही भेंट में भरोसेमंद लगी, मुझे बादलों के भीतर ले जाने लगे। रास्ते में पहाड़ों की हरियाली, छोटे-छोटे झरने, कभी-कभार उगते सूरज की किरणें और नीले आसमान के बीच सफेद बादल, ये सब मिलकर जैसे एक पेंटिंग बनाते रहे।

शिलांग पहुँचना जैसे किसी पुराने प्रेमपत्र को पढ़ना था। धीमी, मधुर और भावनाओं से भरी अनुभूति। मेरा ठिकाना एक स्थानीय खासी होमस्टे था, जहाँ खिड़की से पूरी घाटी झांकती थी। उस घर में बैठकर पहली बार मुझे लगा कि सुकून शब्दों में नहीं, खामोशी में बसता है। होमस्टे की मालकिन मेरी आंटी, जिनकी झुर्रियों में अनुभव की मुस्कान थी, उन्होंने मुझे गरमा-गरम जादोह और लाल चाय परोसी। उस खाने में स्वाद ही नहीं, अपनापन भी मिला।

शिलांग की शामें धीमी और सुरम्य होती हैं। वॉड्र्स लेक की ओर मैं अकेले ही निकल पड़ा। झील के किनारे बैठकर बत्तखों की तैराकी देखना, हवा के साथ आती पत्तों की सरसराहट और आसपास की पहाड़ियों पर ठहरते बादल। ये सब एक ऐसी कविता के पन्ने थे, जिसे मैंने पहले कभी नहीं पढ़ा था। शहर की भागदौड़ में जहाँ हम समय से जूझते रहते हैं, वहाँ शिलांग में समय थमता है, रुककर हमें देखता है और मुस्कुराता है। अगली सुबह, बादलों से ढंकी सड़कों के बीच मेरी टैक्सी चेरापूंजी की ओर बढ़ चली। रास्ते में एलीफैंट फॉल्स पड़ा, जो तीन परतों में गिरता हुआ झरना है। वहाँ की ठंडी बूँदें मेरे चेहरे को छूते हुए जैसे जीवन में फिर से नमी भर रही थीं। जैसे ही हम चेरापूंजी पहुंचे, हल्की बारिश शुरू हो गई। बहुत महीन बूँदें, जो कपड़ों को भिगोने से ज्यादा आत्मा को नम करती थीं।

चेरापूंजी का नोहकालिकाई फॉल्स मेरे जीवन के उन क्षणों में से है, जिन्हें मैं कभी भुला नहीं पाऊँगा। यह झरना नहीं, किसी स्त्री की हताश वेदना थी, जो एक लंबी ऊँचाई से गूंजती हुई नीचे गिर रही थी। दूर खड़े होकर उसे निहारते हुए मैं सोचता रहा कि प्रकृति भी कितना कुछ कह जाती है, बिना बोले।

फिर मैं मावस्माई की गुफाओं की ओर बढ़ा। अंधेरे में चूने के पत्थरों से बने रास्ते, भीतर से टपकती बूंदें और संकरे गलियारे जैसे किसी जन्मपूर्व यात्रा की याद दिला रहे थे। वहाँ चलते हुए मुझे लगा, जैसे मैं धरती के गर्भ में प्रवेश कर गया हूँ और हर कदम पर एक नई अनुभूति जन्म ले रही हो।

नाव चलाने वाला किशोर जोसेफ, खासी समुदाय का था। उसकी मासूम मुस्कान और भोली बातें मेरी इस यात्रा का अहम हिस्सा बन गईं। उसने बताया कि इस नदी में लोग झगड़ते नहीं, यहाँ सब शांत रहते हैं। शायद इसलिए कि इस नदी ने उन्हें पारदर्शिता सिखाई है।

डावकी से बांग्लादेश बॉर्डर कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है। वहाँ खड़े होकर मैंने महसूस किया कि सीमाएं केवल नक्शों पर होती हैं, दिलों पर नहीं। सामने से आती बांग्लादेशी बच्चों की हँसी और किसी स्त्री की लोरी सुनते हुए मैं भावुक हो गया। मन ने कहा भूगोल जितना बाँटता है, संस्कृति उतना ही जोड़ती है।

शाम को जब मैं वापस शिलांग लौटा तब सूर्य पहाड़ियों के पीछे छिप रहा था। पहाड़ी की चोटी पर बैठकर मैंने डूबते सूरज को देखा और सोचा कि इन तीन दिनों में मैंने समय को महसूस किया है। यह यात्रा केवल पर्यटन नहीं थी। यह एक अनकही कविता थी, जिसमें हर दृश्य, हर ध्वनि, हर गंध एक छंद था।

दिल्ली लौटने पर जब एयरपोर्ट की चकाचौंध में आँखें चौंधियाईं, तब एहसास हुआ कि मेघालय केवल एक राज्य नहीं, बल्कि एक मनःस्थिति है। जहाँ शांत रहकर खुद को सुना जा सकता है। मेरा शरीर भले दिल्ली में हो पर आत्मा अब भी वहीं किसी बांस की झोंपड़ी में बैठी लाल चाय पी रही है, बादलों को अपने करीब महसूस कर रही है। इस तीन दिन की यात्रा ने मुझे सिखाया कि प्रकृति के पास हर प्रश्न का उत्तर है, बशर्ते हम सुनना सीखें। मेघालय ने न केवल मुझे सुकून दिया, बल्कि मुझे मेरी ही परछाई से मिला दिया।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

SCAN ME
1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।
Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

लोक धुनों ने झंकृत कर दिया मन

शाम ढलते हुए वापस शिलांग लौटने पर स्थानीय युवाओं के साथ एक छोटी सी संगीत सभा का हिस्सा बना। उनकी लोकधुनें, उनकी मातृभाषा के शब्द और ढोलक की थाप पर थिरकते उनके भाव। यह केवल मनोरंजन नहीं था, यह आत्मीयता थी। वहाँ मैंने पहली बार जाना कि 'अतिथि देवो भव:' का असली रूप क्या होता है।

आईने की भांति थी उमंगोट नदी

तीसरे दिन की सुबह, डावकी की ओर प्रस्थान करते हुए मन में अजीब उत्सुकता थी। उमंगोट नदी के बारे में बहुत सुना था लेकिन जब पहली बार उसे देखा तो आँखों ने यकीन नहीं किया। पानी इतना पारदर्शी था कि नाव तैरती नहीं, हवा में उड़ती प्रतीत होती थी। जब मैं नाव में बैठा और नीचे झांक कर देखा तो नदी की तलहटी के पत्थर ऐसे चमक रहे थे जैसे कोई पारदर्शी आईना हो, जिसमें मैं खुदको देख सकता था।

कविता

हार-जीत

मेरी हार
और
तुम्हारी जीत
मिलकर
एक कहानी कहते हैं
जिसे
हम युद्ध कहते हैं

युद्ध में तुम्हारा जीतना
तुम्हारी
जीत नहीं है;
और
मेरा हारना
मेरी
हार नहीं है..

यह सिर्फ
अदला बदली भर है
तुम्हारे और
मेरे रथ के सारथियों की
जिनके कौशल में
योग्यता में
प्रतिभा में
अंतर नहीं है..

..अंतर सिर्फ
मेरी हार और तुम्हारी
जीत की तरह है
अंतर वही
जो 'शल्य ' और
'कृष्ण ' में है।

राघवेश त्रिपाठी
महराजगंज, उत्तर प्रदेश

उधार का प्रेम

मुझे लगता है
किसी जनम में मैने
उधार लिया था प्रेम
और
मर गया था
बिना चुकता किए।

इस जनम में
लौटा रहा हूं,सूद सहित
किश्तों में
जी रहा हूं
चुकता करने के लिए
बिना शर्त
अपने प्रेम की उधारी

हर बार नए चेहरे के साथ
आते हो
वसूल करने,पाई - पाई
बेरहम,निष्ठुर
साहूकार बनकर
मेरे प्रेम के इनकम का
'आई टी आर ' बनकर

संस्मरण

तुम बेसहारा हो तो, किसी का सहारा बनो

जीवन में कुछ घटनाएँ अनायास घटती हैं, लेकिन वे हमें गहरे अर्थ दे जाती हैं। ऐसा ही एक अनुभव अंडमान यात्रा के दौरान हुआ, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती।

हम अंडमान की सैर पर निकले थे। वहाँ सैलानियों को एक टापू से दूसरे टापू तक ले जाने के लिए स्टीमर बोट (फेरी) का उपयोग किया जाता है। हम 'रॉस आइलैंड' जाने के लिए स्टीमर पर सवार थे। बोट में लगभग 22 सैलानी थे। उत्साह, हल्की बातचीत और समुद्री हवा की ताजगी में हम आगे बढ़ रहे थे।

बोट से उतरते वक्त एक अप्रत्याशित घटना घटी। एक बुजुर्ग सैलानी, जिनकी उम्र लगभग 70 वर्ष रही होगी, का पैर अचानक फिसल गया और वे गिर पड़े। हम सब तुरंत उनकी सहायता के लिए दौड़े। देखा कि उनके दाहिने पैर की पिंडली में कांच घुस गया था और काफी खून बह रहा था। सौभाग्य से मैं यात्रा में हमेशा 'फर्स्ट एड किट' साथ रखती हूँ। मैंने तुरंत उनकी मरहम-पट्टी की। थोड़ी ही देर में खून रुक गया और उनकी हालत सामान्य हो गई।

हम कुछ देर तक उनके पास बैठे रहे। मैंने सहज जिज्ञासा से पूछा, 'आपके साथ कोई है?'

उनका जवाब मुझे चौंका गया। मुस्कराते हुए बोले, 'नहीं, मैं अकेला ही अंडमान घूमने आया हूँ'।

मैंने कहा, 'इस उम्र में अकेले यात्रा करना थोड़ा जोखिम भरा नहीं है?'

गीता दुबे

वे शांत भाव से बोले, 'जोखिम तो आपकी सोच में है। अकेले होने का मतलब यह नहीं कि आप असहाय हैं। देखिए, मैं गिरा तो आप लोग मिल गए। आप नहीं होते, तो कोई और मिल जाता। दुनिया अब भी उतनी बुरी नहीं हुई, जितना हम मान बैठे हैं। अच्छे लोगों की संख्या अब भी ज्यादा है'।

उनकी बातें मेरे मन को छू गईं। मैंने उनसे और जानने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि वे पेशे से डॉक्टर हैं, कोलकाता में रहते हैं। पत्नी का कई साल पहले निधन हो चुका है। उनके दो बेटे हैं, जो विदेश में बस चुके हैं।

'वे अपने जीवन में व्यस्त हैं। कभी-कभार मिलने आ जाते हैं। लेकिन मैं यहाँ खुश हूँ। मेरे घर के पास एक बस्ती है, वहीं मेरा छोटा-सा क्लिनिक है। मैं वहाँ के लोगों का मुफ्त इलाज करता हूँ। बदले में मुझे जो प्यार, अपनापन और मान-सम्मान मिलता है, वह अनमोल है। वे जितना मेरा ख्याल रखते हैं, उतना शायद मेरे अपने भी नहीं रख पाते। अगर मुझे मामूली चोट भी लग जाए, तो उन्हें तकलीफ होती है'।

कुछ क्षण रुककर वे बोले,

'अनुरोध' फिल्म का एक गाना सुना है आपने?

'तुम बेसहारा हो तो किसी का सहारा बनो, अपने आप ही तुम्हें सहारा मिल जाएगा'।

बस, यही मेरा जीवन दर्शन है।

उनकी बातों ने मुझे भीतर तक झकझोर दिया। मैं जिसे अकेला, असहाय समझ रही थी, वही मुझे जीवन की सबसे गहरी सीख दे गया कि अकेलापन कोई अभिशाप नहीं, बल्कि दूसरों के लिए सहारा बनने का अवसर हो सकता है।

झूल रहे फाइबर केबलों पर चलेगा डंडा, निगम ने दिया अल्टीमेटम

PHOTON NEWS RANCHI : शहर की सूरत बिगाड़ रहे अव्यवस्थित फाइबर केबलों को लेकर रांची नगर निगम सख्त हो गया है। अपर प्रशासक संजय कुमार की अध्यक्षता में विभिन्न टेलीकॉम एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। इसमें बिना अनुमति लगाए गए केबलों को हटाने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए। इतना ही नहीं 48 घंटे में अनुमति प्रमाण पत्र निगम में जमा करने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर अब निगम का डंडा चलेगा। वहीं संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सहायक प्रशासक निकेश कुमार, आईटी शाखा प्रभारी, नगर अभियान प्रबंधक, रिलायंस जियो, भारती एयरटेल, एटीसी टेलीकॉम के प्रतिनिधि और बाजार शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित थे। बता दें कि द फोटोन न्यूज ने 'राजधानी की सड़कों पर मौत बनकर लटक रहे केबल तार' खबर को 25 मई के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद रांची नगर निगम अवैध रूप से लगाने वाले केबल ऑपरेटर संचालकों पर कार्रवाई करने जा रहा है।

» द फोटोन न्यूज ने 25 मई के अंक में प्रमुखता से उठाया था मुद्दा

जानलेवा साबित हो रहा शहर के चौक-चौराहों और डिवाइडर पर फैला तारों का जाल
राजधानी की सड़कों पर मौत बनकर लटक रहे केबल तार

» अपर प्रशासक संजय कुमार ने विभिन्न टेलीकॉम एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ की मीटिंग

» बिना अनुमति लगाए गए केबलों को हटाने को लेकर दिशा-निर्देश जारी

सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक

अपर प्रशासक ने बैठक में स्पष्ट किया कि शहर के कई इलाकों में बिजली के खंभों और पेड़ों पर बिना अनुमति लटके हुए फाइबर केबल न केवल शहर की छवि को खराब कर रहे हैं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी खतरनाक हैं। उन्होंने कहा कि इस अव्यवस्था को अब किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओवरहेड या अंडरग्राउंड केबल लगाने की जो भी अनुमति प्राप्त की गई है, उसकी प्रति दो दिनों के भीतर निगम को उपलब्ध कराई जाए। जिन स्थानों पर बिना अनुमति के केबल लगाए गए हैं, उन्हें संबंधित एजेंसियों को तीन दिनों के भीतर हटाना होगा, अन्यथा नगर निगम खुद कार्रवाई करेगा और उसकी लागत एजेंसी से वसूली जाएगी।

बनी रहती है दुर्घटना की आशंका

अपर प्रशासक ने कहा कि अनियोजित केबलिंग के कारण शहर अव्यवस्थित दिखता है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इस कार्य में सभी एजेंसियों का सहयोग आवश्यक है। एजेंसियों ने नगर निगम को आश्वासन दिया कि वे सहयोग करेंगे और जो भी ऑपरेटर अवैध रूप से तार लगा रहे हैं, उनकी जानकारी निगम को दी जाएगी।

BRIEF NEWS

सीएम ने दी यूनेस्को की को-चेयर पर्सन नियुक्त होने पर बधाई

RANCHI : शनिवार को रांची में कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में दुमका के सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ. सोनाझारिया मिंज ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ. सोनाझारिया मिंज को यूनेस्को की को-चेयरपर्सन नियुक्त होने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि डॉ. सोनाझारिया मिंज यूनेस्को की सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए आदिवासी भाषा, संस्कृति, विरासत जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को मजबूती प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं समस्त झारखंडवासी एवं विशेष तौर पर आदिवासी समुदाय की ओर से आपको शुभकामनाएं देता हूं। यह राज्य के आदिवासी समुदायों के लिए बहुत गर्व की बात है कि आपके द्वारा किए जाने वाले कार्य से आदिवासी समुदाय के मुद्दे, उनके आत्मनिर्णय के अधिकार एवं ज्ञान प्रणाली को वैश्विक मंच प्रदान होगा।

प्रदीप वर्मा की सांसद निधि से चैंबर भवन में लगेगी लिफ्ट

RANCHI : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को राज्य सभा सांसद प्रदीप वर्मा से शिष्टाचार मुलाकात की। चैंबर भवन में सांसद निधि से नया लिफ्ट लगाने के लिए स्वीकृति को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने सांसद के प्रति आभार जताया। मौके पर चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि सांसद के इस पहल से हमारे संगठन की सुविधाओं में महत्वपूर्ण सुधार होगा। मुलाकात के दौरान सांसद और चेंबर प्रतिनिधिमंडल के बीच व्यापार व उद्योग जगत की मौजूदा समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी शामिल थे।

जुल्करनैन को नीट में मिली 8767वीं रैंक

RANCHI : पतराटोली निवासी नीरजा सहाय डीएवी कांके का छात्र जुल्करनैन हैदर को नीट 2025 में 8767 कैटेगरी रैंक मिला।वहीं ऑल इंडिया रैंकिंग 19619 मिला है।जुल्करनैन की इस सफलता पर बीएयू में कार्यरत पिता इश्यतेयाक अहमद व गृहणी माता फरजाना खातून ने खुशी जाहिर किया है। जुल्करनैन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता,पिता व चाचा इफ्तेखार अहमद को दिया है।उसकी इस सफलता पर स्कूल की प्राचार्या किरण यादव,शिक्षक शिक्षिकाएं व आसपास के लोगों ने बधाई दी है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ सीईओ ने की बैठक, कहा-

झारखंड में एक मतदान केंद्र पर अब 1200 मतदाता ही डालेंगे वोट

PHOTON NEWS RANCHI : आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर झारखंड में मतदान व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए एक अहम फैसला लिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने स्पष्ट किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अब राज्य के किसी भी मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 मतदाता ही सूचीबद्ध किए जाएंगे। इससे मतदाताओं को बेहतर सुविधा मिलेगी और भीड़भाड़ से बचा जा सकेगा। मौके पर मुख्यालय से उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनिल कुमार सहित सभी जिलों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। इस दिशा में कदम उठाते हुए राज्य में मतदान केंद्रों की संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी। इसके लिए नए मतदान केंद्र बनाए जाएंगे और उन पर कार्य संचालन के लिए नए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और बीएलओ सुपरवाइजरों की नियुक्ति भी की जाएगी।

» नए बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों की होगी नियुक्ति

» जिला निर्वाचन पदाधिकारी त्रुटिरहित मतदाता सूची करें तैयार

» भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का सख्ती से किया जाए पालन

सभी जिलों में बनाए जाएंगे नए मतदान केंद्र

जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार • फोटोन न्यूज

समय पर पूरी करें तैयारी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से कहा कि त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए। सभी तैयारियां समय पर पूर्ण हों, इसके लिए स्थानीय स्तर पर भी विशेष सतर्कता बरती जाए।

जिलों को दिया गया निर्देश

शनिवार को रवि कुमार ने निर्वाचन सदन से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त और उप जिला निर्वाचन पदाधिकारी के साथ ऑनलाइन बैठक की। उन्होंने सभी जिलों को निर्देशित किया कि मतदाताओं को उनके नजदीकी मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध किया जाए, ताकि उन्हें मतदान के दिन किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र का नजरी नक्शा, गूगल अर्थ व्यू मैप और की-मैप तैयार किया जाए ताकि बूथों की भौगोलिक स्थिति स्पष्ट हो और योजना बेहतर तरीके से बनाई जा सके। यह कार्य आगामी मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम से पहले संपन्न कर लिया जाए।

रांची के खरसीदाग में अवैध हथियार के साथ दो गिरफ्तार, एक फरार

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को रांची के खरसीदाग ओपी क्षेत्र में अवैध हथियारों के साथ दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया, जबकि एक आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने यह कार्रवाई एक गुप्त सूचना के आधार पर की। सूचना मिली थी कि बायो-डायवर्सिटी पार्क रोड के पास कुछ संदिग्ध लोग हथियारों के साथ देखे गए हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। डीआईजी-सह-एसएसपी के निर्देश पर एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। दल ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस को देख तीन युवक मौके से भागने लगे। लेकिन पुलिस ने खदेड़कर एक किशोर को पकड़ लिया गया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से लोडेड दो नाली देशी कट्टा और एक आईफोन-11 बरामद किया गया। पूछताछ में पता चला कि वह नाबालिग है।

दो अन्य आरोपियों की हुई पहचान किशोर की निशानदेही पर भागे हुए नीतिश तिवारी चांदनी चौक हटिया और प्रफुल्ल कच्छप सहेरा खरसीदाग के रूप में हुई। प्रफुल्ल कच्छप को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। जहां से .315 बोर की एक गोली और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया गया। नीतिश तिवारी अब भी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने किशोर को हथियार छुपाकर रखने के लिए दिया था और हथियार के बल पर धमकी देकर अवैध रूप से पैसे वसूलने की योजना बनाई थी। बता दें कि प्रफुल्ल कच्छप के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिनमें चुटिया थाना और नामकुम थाना में हत्या और हत्या के प्रयास जैसे मामले दर्ज हैं।

कांग्रेस पार्टी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मिला नियुक्ति पत्र

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को बेड़ो प्रखंड विधायक कार्यालय में कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन-2025 अभियान के तहत प्रखंड अध्यक्ष प्रो. करमा उरांव की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस नवनिर्वाचित पदाधिकारियो व कार्यकताओं की एकजुटता देखने को मिली। मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, साथ में विशिष्ट अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सह रांची जिला पर्यवेक्षक शहजादा अनवर शामिल हुए। बैठक की शुरूआत बेड़ो प्रखंड कांग्रेस कमेटी के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर एवं माला पहनकर स्वागत किया गया। एकता और संवेदना का प्रतीक संगठन निर्माण को लेकर गंभीर संवाद हुआ और पंचायत स्तर से संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया गया। कार्यताओ को प्रखंड के हर घर तक संगठन को पहुंचाना और हर कार्यकर्ता में नई ऊर्जा भरना है। बैठक जिला से आए पीसीसी डेलिगेट्स मजकुर आलम सिद्दिकी, प्रखंड पर्यवेक्षक मंगलेश्वर उरांव, उप प्रमुख मुदस्सिर हक, नवल किशोर सिंह, सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष पंचायत अध्यक्ष महिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अन्य शहरों के मुकाबले रांची में सबसे अधिक दर्ज किया गया उमस

झारखंड में गर्मी से अधिक बेचैन कर रही उमस, मानसून के आने तक होगी परेशानी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के विभिन जिलों में गर्मी से अधिक परेशानी बढ़ी हुई उमस से हो रही है। राजधानी रांची सहित अधिकांश जिलों में उमस काफी बढ़ गया है। इससे लोगों को बेचैनी हो रही है। राज्य के अन्य शहरों के मुकाबले शनिवार को रांची में सबसे अधिक उमस दर्ज किया गया। रांची में शनिवार को जहां उमस 90 प्रतिशत रहा। वहीं शुक्रवार को यह 92 प्रतिशत था। वहीं जमशेदपुर में शनिवार को उमस 86 प्रतिशत, डालटेनगंज में 68, बोकारो में 73 और चाईबासा में उमस 80 प्रतिशत दर्ज किया गया। इधर, मौसम विभाग ने 18 जून तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। विभाग ने 15 से 17 जून तक कुछ जगहों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

18 जून तक गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना

- आज से 17 जून तक कुछ जगहों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट
- पिछले 24 घंटे के दौरान मनोहरपुर में हुई सबसे अधिक वर्षा

हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन की ओर से शुरू की गई है कार्रवाई

छात्रावास खाली कराने पहुंची टीम, छात्रों का हंगामा

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को राजधानी रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में स्थित एक पुराने आदिवासी छात्रावास को खाली कराने पहुंची प्रशासन की टीम को छात्रों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। यह विवाद पिछले कई वर्षों से चल रहा था। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार, छात्रावास जिस जमीन पर बना है, वह एक खतियानी जमीन है। इसका मालिकाना हक एक स्थानीय व्यक्ति के पास है। उनका कहना है कि उन्होंने मानवीय आधार पर कुछ छात्रों को अस्थायी रूप से 20 डिसमिल जमीन पर रहने की अनुमति दी थी। समय के साथ वहां अधिक छात्र रहने लगे। वहीं अतिरिक्त भूमि पर कब्जे को लेकर मामला अदालत पहुंचा। हाल ही में हाईकोर्ट ने जमीन मालिक के पक्ष में फैसला सुनाते हुए प्रशासन को आदेश दिया कि जमीन का कब्जा दिलाया जाए। इसी के तहत प्रशासन और पुलिस टीम जेसीबी मशीन के साथ छात्रावास खाली कराने पहुंची। छात्रों ने प्रशासन की कार्रवाई को अन्यायपूर्ण करार देते हुए आरोप लगाया कि बिना किसी पूर्व नोटिस के अचानक परिसर में जेसीबी लेकर पहुंचना अमानवीय है।

हंगामा करते छात्र • फोटोन न्यूज

तनाव को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती

तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। थाना प्रभारी मनोज कुमार खुद मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन द्वारा छात्रों को समझाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन छात्र पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। छात्रों ने उग्र नारे लगाकर विरोध दर्ज कराया। फिलहाल प्रशासन और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, जबकि छात्र अपनी मांग पर अड़े हुए हैं।

पहली बार बायर-सेलर मीट में जुटे खरीदार, जैविक उत्पादों को मिलेगा बाजार

झारखंड के 70% लोग कृषि पर निर्भर : शिल्पी नेहा तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में जैविक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को बाजार से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। राज्य में पहली बार बायर-सेलर मीट का आयोजन किया गया। इसमें भारत के कई राज्यों के साथ-साथ केन्या से भी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य किसानों को जैविक उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराना और राज्य को जैविक कृषि की दिशा में अग्रणी बनाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अगले 10 वर्षों में जैविक उत्पादों के बाजार में 20% ग्रोथ की संभावना है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस ग्रोथ में झारखंड की हिस्सेदारी कितनी होगी और इसके लिए अभी से तैयारी जरूरी है। झारखंड के 70% लोग कृषि पर निर्भर हैं और यहां जैविक खेती की अपार संभावनाएं हैं।

मंत्री ने कहा कि राज्य में किसानों के लिए एक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) बनाकर उन्हें सिक्किम जैसे जैविक खेती करने वाले राज्यों का दौरा कराना चाहिए ताकि वे जैविक कृषि को करीब से समझ सकें। यहां से बैठकर हम किसानों को जैविक खेती के बारे में नहीं बता सकते। उन्होंने फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन को प्रोसेसिंग यूनिट उपलब्ध कराने की योजना पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि छोटे प्रोसेसिंग यूनिट्स किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं, खासकर झारखंड जैसे राज्य में जहां भूमि संबंधी बाधाएं हैं।

बायर-सेलर मीट में भाग लेतीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की व अन्य • फोटोन न्यूज

पर्यावरण के लिए जैविक खेती जरूरी

विभाग के सचिव अबू बक्कर सिद्दीकी ने कहा कि जैविक खेती न केवल पर्यावरण के लिए जरूरी है, बल्कि किसानों के लिए अधिक लाभदायक भी है। उन्होंने बेहतर पैकेजिंग और बाजार उपलब्धता पर भी बल दिया। ओफाज के इस आयोजन के मुख्य आयोजक सीईओ विकास कुमार समेत कई विभागीय अधिकारी और विशेषज्ञ भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

भाषा के नाम पर जनता को लड़वा रही हेमंत सरकार : अमित मंडल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व गोड्डा के पूर्व विधायक अमित मंडल ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता में झारखंड सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन की सरकार भाषा के नाम पर जनता को आपस में लड़वाने का काम कर रही है और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा नौकरी देने की नहीं है, बल्कि झूठे वादों और पहचान की राजनीति से युवाओं को गुमराह करने की है। उन्होंने कहा कि यह सरकार अबुआ नहीं बबुआ सरकार है। प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अशोक बड़ाईक और युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज भी मौजूद थे।

जानबूझकर हटाया गया कई भाषाओं को : उन्होंने आरोप लगाया कि जेटेट 2025 से अंगिका, भोजपुरी, मुंडारी, कुरमाली जैसी भाषाओं को जानबूझकर हटाया गया। उन्होंने पूछा कि जब इन भाषाओं में विधायक और मंत्री शपथ ले रहे हैं तो उन्हें क्षेत्रीय भाषाओं की सूची से क्यों हटाया गया? भाजपा किसी भाषा के विरोध में नहीं है, लेकिन अंगिका, भोजपुरी और मुंडारी जैसी भाषाओं को हटाना युवाओं के साथ अन्याय है।

सुदेश महतो ने कांके के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

RANCHI : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो 22 जून को बलिदान दिवस की तैयारी में लगे कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाने में स्वयं जुट गए हैं। उन्होंने आज अपने बुकरू स्थित आवास में कांके विधानसभा कार्यकताओं के साथ बैठक की। महतो ने कहा कि आगामी 22 जून को रांची में आयोजित बलिदान दिवस ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान और आंदोलनकारियों के संघर्ष की बदौलत झारखंड बना है। बैठक को मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, युवा नेता संजय मेहता आदि ने भी संबोधित किया। महतो ने कहा कि कार्यकर्ता प्रत्येक पंचायत और ग्राम का दौरा कर लोगों को जागरूक करें।

BRIEF NEWS

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, एक की मौत, एक घायल

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित परिसदन के गेट के पास शनिवार को एक तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकरा गई, जिससे एक बाइक सवार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि, बाइक पर पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल है। उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। मृतक विशु प्रताप सोनारी के निर्मल नगर का रहने वाला था। वहीं, बाइक पर पीछे बैठे शिवम कुमार की हालत गंभीर बनी हुई है। विशु प्रताप और शिवम कुमार दोनों दोस्त थे। दोनों किसी काम से सोनारी से साकची जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए।

पटमदा में बुजुर्ग महिला की लाठी से पीटकर हत्या

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा थाना क्षेत्र के लच्छीपुर पंचायत अंतर्गत चाड़रीकोल गांव में एक बुजुर्ग महिला जीरा मांडी (62) की हत्या कर दी गई है। शुक्रवार दोपहर को गुरमा मांडी ने महिला पर लाठी से हमला कर दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि जीरा मांडी स्नान करने के लिए जुड़िया (जलाशय) गई थी, उसी वक्त गुरमा मांडी ने हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी युवक महिला को मृत समझकर भाग निकला। पुलिस ने शनिवार को गुरमा मांडी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

आम उत्सव-सह-बागवानी मेला के जरिए किसानों को उपलब्ध हुआ बाजार

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)। जिला के किसानों की आम के खेती को उच्च स्तर तक पहुंचाने और उसे देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाने के उद्देश्य को लेकर जिला प्रसाशन की पहल पर पहली बार आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन शनिवार को साकची स्थित धालभूम क्लब में किया गया। बागवानी मेला में जिले भर के तमाम सुदूरवर्ती इलाकों से किसान इसमें शामिल हुए। मेला में किसानों ने अपने फसलों की प्रदर्शनी लगाई। जिले के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान समेत जिले के कई वरीय पदाधिकारी इस आम महोत्सव मे शामिल हुए।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

LATEHAR : सदर थाना क्षेत्र के करकट स्थित एनएच 39 पर शनिवार को बस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल पर सवार एक महिला की मौत हो गई। जबकि मोटरसाइकिल सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक महिला की पहचान लालमनी देवी (35) के रूप में हुई है। महिला सदर थाना के मनकेरी खैरा गांव की रहने वाली थी। वहीं घायलों में अमिता देवी और रामप्रीत उरांव शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीनों लोग अपने गांव से होटवाग की ओर जा रहे थे।

अपराधियों के खिलाफ गिरिडीह पुलिस ने की कड़ी कार्रवाई

लूटपाट करने वाले गिरोह के 6 अरेस्ट, हथियार व जेवर बरामद

PHOTON NEWS GIRIDIH : लूटपाट करने वाले आपराधिक गिरोह के खिलाफ गिरिडीह पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने गिरोह के छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में पचम्बा थाना इलाके के करहरबारी निवासी भोला सिंह, माथाडीह निवासी मो समीर अंसारी, मुफ्फसिल थाना इलाके के पपरवाटांड निवासी अजय दास और राजू कुमार दास, जमुआ थाना इलाके के कुरूमटांड निवासी छोटू सिंह एवं धनबाद जिले के झरिया थाना इलाके के साहना पहाड़ी निवासी मुनेश्वर बेलदार शामिल है। इनके पास से बरामद सामानों में 10 पीस चांदी की पायल, 2 देसी पिस्टल, 3 जिंदा कारतूस, घटना में प्रयुक्त वाइट अपाचे मोटरसाइकिल, घटना में प्रयुक्त रेड होंडा बाइक शामिल है। एसपी डॉ बिमल कुमार ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 22 मई को जमुआ थाना इलाके के पोबी मोड़ से आगे लूटपाट की

अपराधियों की जानकारी देते पुलिस अधिकारी ● फोटोन न्यूज

घटना घटी थी। यहां द्वारपहरी चौक स्थित विशाल ज्वेलर्स के मालिक विशाल कुमार सोनी को वाइट अपाचे पर सवार तीन अपराधियों ने ओवरटेक कर फायरिंग कर जेवरात एवं पांच हजार रुपया से भरा बैग लूट लिया। फायरिंग से विशाल घायल हो गया था। इस मामले को लेकर जमुआ थाना में कांड अंकित किया गया था। घटना को देखते हुए खोरी महुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में 12 अधिकारियों के साथ तकनीकी शखा की टीम और पुलिस बल को शामिल किया गया। टीम ने छानबीन शुरू की और छह अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए जमुआ - धनवार में घटित तीन कांडों का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर इस कांड में लूटे गये जेवरात एवं घटना में प्रयुक्त दो देशी पिस्टल और दो मोटर साइकिल बरामद किया गया।

एसपी ने बताया कि जमुआ और धनवार में घटित कांड का मास्टरमाइंड भोला सिंह है। अभी इन कांडों में शामिल एक अपराधी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों में से छोटू सिंह के खिलाफ 15, राजू कुमार दास के खिलाफ पांच, मास्टरमाइंड भोला सिंह के खिलाफ नौ और झरिया के मुनेश्वर बेलदार के खिलाफ तीन कांड दर्ज है। साथ ही पचम्बा थाना इलाके के माथाडीह निवासी मो समीर और मुफ्फसिल थाना इलाके के अजय दास के खिलाफ दो-दो कांड दर्ज है।

जामताड़ा में दो लूटकांडों का हुआ पर्दाफाश, चार अपराधी गिरफ्तार

PHOTON NEWS JAMTARA : जामताड़ा जिले की पुलिस ने हाल ही में हुए दो सनसनीखेज लूटकांडों का सफलतापूर्वक पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने इस सिलसिले में चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से लूटी गई नकदी, हथियार और अपराध में इस्तेमाल की गई गाड़ियां बरामद हुई हैं। गिरफ्तार किए गए अपराधियों की पहचान रियाजुद्दीन अंसारी उर्फ रेहान उर्फ रिजाउल अंसारी, शाहरुख अंसारी, सोहेल आलम और हैदर अंसारी के रूप में हुई है। ये सभी जामताड़ा थाना क्षेत्र के मोहरा गांव के रहने वाले हैं।

पुलिस ने इन अपराधियों के पास से एक चारपहिया वाहन, दो मोटरसाइकिलें, एक देसी कट्टा, दो कारतूस, चार मोबाइल फोन और लूटी गई रकम में से 74 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। शनिवार को इस मामले की जानकारी देते हुए

जानकारी देते पुलिस अधिकारी ● फोटोन न्यूज

एसपी (पुलिस अधीक्षक) राजकुमार मेहता ने बताया कि 11 जून को जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर लूट की घटनाएं हुई थीं। पहली घटना बिंदापाथर थाना क्षेत्र के धसनियां गांव के पास हुई थी, जहां मोटरसाइकिल सवार अज्ञात अपराधियों ने ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) के संचालक श्रीपद मंडल को पिस्तौल दिखाकर उनसे 60 हजार रुपये लूट लिए थे।

दूसरी घटना कमार्टांड़ थाना क्षेत्र में हुई थी, जहां अपराधियों ने 40 हजार रुपये की लूट को अंजाम दिया था। इन दोनों ही मामलों की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की और छापेमारी कर इन चार लुटेरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस अब इन अपराधियों से पूछताछ कर अन्य साथियों और लूट की बाकी रकम के बारे में जानकारी जुटा रही है।

खूंटी से 1.48 करोड़ का अफीम -डोडा बरामद, तस्कर फरार

PHOTON NEWS KHUNTI : अड़की थाना क्षेत्र के बेडाहातु गांव के पास निमार्णाधीन पुल के पास शुक्रवार की देर रात पुलिस ने छापेमारी कर एक करोड़ 48 लाख 65 हजार मूल्य का अफीम -डोडा बरामद किया है। पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाकर एक ट्रैक्टर पर लदे 991.01 किलोग्राम डोडा बरामद कर ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। शनिवार को प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर पुलिस की ओर से बताया गया कि 13 जून की देर रात करीब 10.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि डोडा लदा एक ट्रैक्टर होड़ोंग से बेडाहातु होते हुए बुंडू की ओर जाएगा। सूचना मिलते ही वरीय पदाधिकारियों को सूचित कर छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने बेडाहातु गांव के पास सड़क पर ट्रैक्टर को देख उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन ट्रैक्टर पर सवार दो व्यक्ति वाहन छोड़कर झाड़ियों की ओर कूद गए और अंधेरे तथा जंगल का लाभ उठाकर फरार हो गए। पुलिस की ओर से उन्हें पकड़ने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

चलंत भोजनालय का सरयू राय ने किया निरीक्षण

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में जरुरतमंदों को सस्ता और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किए गए चलंत भोजनालय का निरीक्षण शनिवार को क्षेत्रीय विधायक सरयू राय ने किया। इस अवसर पर उन्होंने पांच रुपये का टोकन लेकर थाली का भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता की परख की।

करीब दो सप्ताह पूर्व विधायक सरयू राय के प्रयासों से इस पहल की शुरूआत की गई थी। इसके तहत महज पांच रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। शनिवार को निरीक्षण के दौरान विधायक ने भोजनालय से आम नागरिकों की तरह टोकन लेकर खाना प्राप्त किया और वहीं बैठकर भोजन किया। भोजन की गुणवत्ता से संतुष्ट होकर उन्होंने

चलंत भोजनालय में भोजन करते विधायक सरयू राय ● फोटोन न्यूज

इसे उत्तम और संतुलित आहार बताया। विधायक राय ने बताया कि फिलहाल प्रतिदिन लगभग 200 लोग इस योजना का लाभ ले रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में इस सेवा का विस्तार किया जाएगा और अतिरिक्त वाहनों की व्यवस्था की जाएगी। ताकि, हर जरूरतमंद तक भोजन पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का कार्य है।

निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थक और क्षेत्रवासी भी उपस्थित थे। कई लोगों ने मौके पर पांच रुपये की थाली खाकर भोजन का आनंद लिया और विधायक के इस सामाजिक पहल की सराहना की।

पतरातू के विकास के लिए जीआरसी सलाहकार समिति का गठन

RAMGARH : पतरातू के प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में शनिवार को जीआरसी सलाहकार समिति का गठन किया गया। इस समिति का उद्देश्य जेंडर संबंधी मुद्दों पर चर्चा करना, नीतियों और कार्यक्रमों को विकसित करना और जेंडर समानता को बढ़ावा देना है। जीआरसी सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता होंगे। जबकि प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक पुरुषोत्तम कुमार सिन्हा संयोजक के रूप में कार्य करेंगे। इसके अलावा, प्रखंड प्रमुख, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, डालसा प्रतिनिधि, थाना प्रभारी, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी, एनजीओ, सीएसओ प्रतिनिधि, डीआरपी जेएसएलपीएस और प्रखंड के सभी संकुल संगठन से दो प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

सड़क निर्माण कार्य के लिए सांसद और मंत्री ने किया भूमिपूजन

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिले में शनिवार को हाटगम्हरिया-बेनीसागर-भाया बालांडिया-मझगांव सड़क मार्ग के 44.49 किमी हिस्से का राइडिंग क्वालिटी सुधार कार्य शुरू किया गया। इस कार्य का भूमि पूजन राजस्व, निबंधन और भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुवा और सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि झारखंड राज्य बने 25 वर्ष होने को हैं, लेकिन जनता को पहली बार यह अनुभव हो रहा है कि सरकार वास्तव में जनता हित में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में ग्रामीण सड़कों के निर्माण में अभूतपूर्व तेजी आई है और एनएच सड़कों की स्थिति भी सुधारी जा रही है।

मंत्री ने बिजली विभाग पर निशाना

हर क्षेत्र में विकास को मिल रही गति : जोबा

सांसद जोबा मांझी ने कहा कि अबुआ सरकार हर क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दे रही है। गांव, पंचायत और दूरदराज के इलाकों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से जुड़े मामलों को मंत्री स्तर पर देखा जाएगा, जबकि केंद्र सरकार से जुड़े मामलों को वह स्वयं देखेंगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हाटगम्हरिया के प्रखंड विकास पदाधिकारी सालखु हेम्ब्रम, अंचल अधिकारी ऋषिदेव कमल, जिला परिषद सदस्य प्रमिला पिंगुवा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जुडिया सिंकू, बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष राजेश पिंगुवा, जिला कोषाध्यक्ष सुभाष बनर्जी, केंद्रीय सदस्य विकास गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

साधते हुए कहा कि जब राज्य सरकार 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त दे रही है तो ग्रामीणों पर बिजली चोरी के मामले दर्ज करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस विषय को अगली कैबिनेट बैठक में प्रमुखता से उठाया जाएगा।

'प्रखंड में ही ग्रामीणों को मिले योजनाओं का लाभ'

PHOTON NEWS KHUNTI : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी की ओर से शनिवार को बिरसा कॉलेज ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद मौजूद थे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और खूंटी न्याय मंडल के प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी उपस्थित थे। झालसा रांची की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार, उपायुक्त आर रॉनिटा, पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो, उप विकास आयुक्त श्याम

नारायण राम, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, परियोजना निदेशक आइटीडीए आलोक शिकारी कच्छप समेत कई विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने विधिक जागरूकता और सशक्तीकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह प्रयास लोगों को न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में मील का पत्थर है। उन्होंने नशा उन्मूलन, डायन प्रथा के खिलाफ जनजागरूकता, एनडीपीएस एक्ट, पोक्सो एक्ट जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नशा मुक्त झारखंड के संकल्प के तहत सभी उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई और कहा कि केवल शपथ लेना पर्याप्त नहीं, इसे व्यवहार में भी लाना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तीकरण शिविर का उद्देश्य सुदूरवर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों को मुख्य धारा से जोड़ना है। सभी गांवों को अपने निकटवर्ती प्रखंड कार्यालय में ही सरकारी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त हो सके।

अटल क्लिनिक का ऑनलाइन उद्घाटन : इस अवसर पर न्यायमूर्ति ने पिपरा टोली, सहयोग विलेज खूंटी स्थित ओल्ड एज होम में अटल क्लिनिक का ऑनलाइन उद्घाटन किया तथा वर्चुअल माध्यम से वहां रह रहे वृद्धजनों से संवाद किया। उन्होंने सिविल सर्जन को क्लिनिक में नियमित चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि कोई भी नागरिक न्याय से वंचित न रहे, यही हमारी प्राथमिकता है। झालसा सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक में जनसमस्याओं को लेकर आंदोलन की तैयारी

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित ग्रामीण क्षेत्र बोडाम प्रखण्ड कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में संगठन सृजन अभियान के तहत शनिवार को एक अहम बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रखण्ड अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार महतो ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने कहा कि बोडाम एवं पटमदा प्रखंडों में जनता कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है। चांडिल डैम का निर्माण सिंचाई के उद्देश्य से हुआ था, लेकिन आज भी यहां के किसान सिंचाई की समुचित सुविधा से वंचित हैं। इसे लेकर एक व्यापक और योजनाबद्ध आंदोलन छेड़ा जाएगा।

डीसी ने की समीक्षा बैठक, दिए कई निर्देश

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम के समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में शनिवार को शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त ने जिले के सभी आवासीय विद्यालयों, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने और रिक्त पदों की शीघ्र नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में खराब प्रदर्शन पर चिंता जताते हुए संबंधित विद्यालयों की समीक्षा कर विशेष तैयारी कराने को कहा। शिक्षकों की उपस्थिति नियमित रूप से ई-विद्या वाहिनी ऐप में दर्ज करने, शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से दूर रखने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों को मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए। मध्यान्ह भोजन, स्वच्छता, आधारभूत संरचना, स्मार्ट क्लास और लैब की स्थिति की रिपोर्ट मांगते हुए उपायुक्त ने छात्रों की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने को भी कहा। शिक्षकों की गुणवत्ता सुधार के लिए परिवर्तन दल बनाने और छात्रों को समय पर किताबें, पोशाक, छात्रवृत्ति आदि लाभ देने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

विधायक संजीव सरदार ने किया हरिणा मुक्तेश्वरधाम मेला की तैयारियों का निरीक्षण

कोल्हान का सबसे बड़ा पांच दिवसीय मेला आज से, प्रशासन व कमेटी तैयार

PHOTON NEWS GHATSHILA : पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत पोटका प्रखंड के हरिणा स्थित प्रसिद्ध मुक्तेश्वरधाम में रोजो संक्रांति के अवसर पर लगने वाला कोल्हान का सबसे बड़ा पांचदिवसीय मेला रविवार से शुरू हो रहा है। मेला की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आश्रम समिति और प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से युद्धस्तर पर व्यवस्था दुरुस्त की जा रही हैं। रविवार को सुबह में परंपरागत पातभोक्ता के साथ मेला का विधिवत उद्घाटन किया जाएगा।

पोटका के विधायक संजीव सरदार ने शनिवार को मेला परिसर और मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इसके

पुजारी को अंगवस्त्र भेंट करते विधायक संजीव सरदार ● फोटोन न्यूज

पुजारियों को विधायक ने भेंट किया अंगवस्त्र

हरिणा मंदिर परिसर में शनिवार को विधायक संजीव सरदार ने प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी मंदिर के पुजारियों को अंगवस्त्र भेंट किया। उन्होंने कहा कि वे बीते कई दशकों से इस परंपरा का निर्वाह करते आ रहे हैं और भविष्य में भी इसे जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि रविवार को मेला के दौरान पातभोक्ता और श्रद्धालुओं के बीच गुड़, चना एवं शर्बत का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य पुजारी बज्रांकन दंडपात, विकास पंडा, दिनेश दंडपात, राकेश दंडपात, बहादुर नायक, अम्बुज दंडपात, टेकैन दंडपात, राखोहरी प्रहराज आदि उपस्थित थे।

बाद मेला समिति और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुक्तेश्वरधाम अब झारखंड का एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन चुका है और हर वर्ष झारखंड, ओडिशा, बंगाल सहित विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। इसलिए श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

प्रशासन को दिया सुरक्षा, स्वास्थ्य और जल व्यवस्था के निर्देश : विधायक ने प्रशासन को निर्देश दिया कि मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए जाएं। प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल, एंबुलेंस, मेडिकल टीम और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही मेला समिति को निर्देश दिया गया कि महिला एवं पुरुष स्वयंसेवकों को पहचान-पत्र के साथ तैनात किया जाए और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन से तुरंत संपर्क कर सहायता ली जाए।

बैठक में मुखिया सरस्वती मुर्मू, प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार मुंडा, अंचलाधिकारी निकिता बाला, थाना प्रभारी-कोवाली धनंजय पासवान, थाना प्रभारी-पोटका मनोज मुर्मू, मेला कमिटी के बज्रांकन दंडपात, दीपांकर नायक, फूलचंद सरदार, अनिरुद्ध नायक, पिंटू नायक, सागर सिट, सपन बारीक, रसानंद सिट, पूर्णो नायक, कृपा बारीक आदि उपस्थित थे।

जमशेदपुर में सब्जी बेचने वाले के बेटे ने नीट में पाई बड़ी सफलता

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के रोहित कुमार ने कठिन हालात में भी नीट 2025 में 549 अंक हासिल कर ऑल इंडिया रैंक 12,484 पाई। शनिवार को उन्हें फिजिक्सवाला के संस्थापक और सीईओ अलख पांडे ने सम्मानित किया।

रोहित का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ। पिता ठेले पर सब्जी बेचते हैं। मां गृहिणी हैं। भाई के साथ मोबाइल कवर की दुकान चलाते हैं। रोहित की पढ़ाई सरकारी स्कूल से शुरू हुई। 10वीं की परीक्षा महज 800 रुपये फीस वाले स्कूल से पास की। कोरोना काल में मेडिकल स्टोर में काम किया। यहीं से डॉक्टर बनने का सपना देखा। नीट की जानकारी भाई से मिली। पहले प्रयास में 485 अंक मिले। हार नहीं मानी। फिजिक्सवाला के यकीन 2.0 बैच में दाखिला लिया। फ्री में पढ़ाई की। रोज 14 घंटे लोकल लाइब्रेरी में पढ़ाई की। इस दौरान बीमारी और परीक्षा वाले दिन हाथ पर मधुमक्खी के हमले जैसी मुश्किलें आईं। फिर भी हिम्मत नहीं टूटी। रोहित की सफलता से प्रभावित होकर अलख पांडे खुद जमशेदपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि रोहित ने साबित किया कि हालात जैसे भी हों, अगर जज्बा हो तो सफलता मिलती है।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मीठापुर-महली एलिवेटेड पथ का लिया जायजा

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मीठापुर-महुली फोरलेन एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मीठापुर-महुली एलिवेटेड पथ का मीठापुर फ्लाईओवर गोलंबर और परसा बाजार में स्थल निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा इस पथ का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। न्यूबाईपास एवं आस-पास में लगनेवाले जाम से राहगीरों को मुक्ति मिलेगी तथा इससे समय की भी बचत होगी। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन जीरोमाइल मसौढ़ी (एसएच-1) पथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने जीरोमाइल मसौढ़ी पथ के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि जीरोमाइल-मसौढ़ी (एसएच-1) पथ का निर्माण तेजी से सुनिश्चत कराया जाये ताकि लोगों को इसका फायदा मिल सके। मुख्यमंत्री ने पाटलीपुत्र बस टर्मिनल का भी जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पाटलीपुत्र बस टर्मिनल पर यात्री सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित रखने का निर्देश दिया।

मंत्री नीतीश मिश्रा ने की बाढ़ से पूर्व तैयारी की समीक्षा

AGENCY ARARIA : समाहरणालय स्थित परमान सभागार में संभावित बाढ़ को लेकर बिहार सरकार के उद्योग विभाग के मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री नीतीश मिश्रा ने बैठक आयोजित कर बाढ़ से पूर्व की तैयारी का समीक्षा की। बैठक में आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल, डीएम अनिल कुमार, एसपी अंजनी कुमार, विधायक विद्यासागर उर्फ मंचन केशरी, जयप्रकाश यादव सहित संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में मुख्य रूप से संभावित बाढ़ को लेकर खाद्य पदार्थ आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निविदा के माध्यम से आपूर्तिकताओं का चयन, पॉलिथीन शीट्स की उपलब्धता, जिला अंतर्गत उपलब्ध नाव, मोटरबोट, बाढ़ राहत शिविरों, सामुदायिक रसोई, मानव दवा, मोबाइल मेडिकल टीम एवं मेडिकल कैंप की उपलब्धता, बाढ़ प्रभावित परिवारों की सूची का अद्यतनीकरण, तटबंध कटाव-निरोधक कार्यों की प्रगति, तटबंध की सुरक्षा हेतु प्रत्येक 1 किलोमीटर पर प्रतिनियुक्ति अभियंताओं की सूची, संवेदनशील/अतिसंवेदनशील स्थलों सूची, पशु चारा की व्यवस्था, पशु आश्रय स्थलों की सूची, जिला अंतर्गत पुल, पुलिया, कल्वर्ट, वेंट इत्यादि के अद्यतन स्थिति सहित संभावित सुखार के मध्य नजर की जाने वाली व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई।

बैठक में जिले में 28390 पॉलिथीन शीट्स उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त नोडल जिला पूर्णिया से 20 हजार पॉलिथीन शीट्स की मांग करने की जानकारी दी। जिले में परिचालन योग्य 240 नाव उपलब्ध हैं। इसके अलावा एसडीआरएफ के पास 6 मोटरबोट एवं 6 आउट बोर्ड मोटर उपलब्ध होने की बात कही गई। साथ ही जिला आपदा भण्डार में भी 4 मोटरबोट उपलब्ध है।जिले में 365 बाढ़ राहत शिवरों को चिन्हित किया गया है। इसी प्रकार 305 सामुदायिक रसोई केदो को भी चिन्हित किया गया है।

BRIEF NEWS

विश्व रक्तदान दिवस पर एनसीसी कैडेटों ने किया रक्तदान

EAST CHAMPARAN : विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर 25वीं बिहार बटालियन एन.सी.सी.के मोतिहारी राजाबाजार स्थित परिसर में विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल सुरेन कुमार पाण्डेय की देख रेख में किया गया। इस अवसर पर कुल 21 एन.सी.सी.कैडेटों और एक एन.सी.ओ. हवलदार राजेंद्र सिंह ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर को संबोधित करते के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल सुरेन कुमार पाण्डेय ने कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन उन रक्तदाताओं के सम्मान में समर्पित है जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से दूसरे की जीवन रक्षा के लिए रक्तदान किया है।यह कार्य एन.सी.सी.कैडेटों से अच्छा कोई नहीं कर सकता।

पेड़ से लटका मिला शव जांच में जुटी पुलिस

BETTIAH : बेतिया पुलिस जिला के नवलपुर में एक युवक का शव लीची के पेड़ में लटका मिला है। शव देखकर गांव में सनसनी फैल गई है। सूचना पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने शव को पेड़ से निचे उतारकर पहले उसका पंचनामा किया फिर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए बेतिया जीएमसीएच भेज दिया। घटना शनिवार की सुबह की बताई जा रही है। हालाकि मृत युवक के परिजनों ने युवक की मारपीट कर हत्या कर देने की बात कह रहे हैं। मृत युवक की पहचान थाना क्षेत्र नवलपुर पंचायत के नवलपुर गांव निवासी रौशन पाठक उम्र 25 के रूप में हुई है। मृत रौशन पाठक के भाई दीपक पाठक ने बताया कि उसका भाई प्रतिदिन के भांति शनिवार की अहले सुबह घर से निकल कर बाहर टहलने के लिए गया था।गांव के लोग शौच करने के लिए घर से कुछ दूरी पर बगीचा के तरफ गये थे। वहां देखा की पेड़ से एक युवक का शव लटका हुआ है। इस घटना की जानकारी गांव में जंगल की आग की तरह फैल गई।

नालंदा में लोन के नाम पर ठगी करने वाले पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार

AGENCY NALANDA : नालंदा के आरक्षी अधीक्षक भारत सोनी के विशेष निर्देश पर कतरीसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत कतरडीह गांव में शनिवार की सुबह पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई स्थानीय थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी के नेतृत्व में की गई। थानाध्यक्ष नें बताया कि खैर इस्लामिक फाइनेंस के नाम पर सस्ते दर पर लोन देने के बहाने लोगों से ठगी किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थानाध्यक्ष ने राजगीर के पुलिस उपाधीक्षक सुनील कुमार सिंह एवं गिरीयक इंस्पेक्टर मनीष भारद्वाज से विचार-विमर्श कर एक विशेष टीम गठित की।इस टीम में एसआई आदित्य कुमार, एएसआई मनीष कुमार, एएसआई रूदल पासवान, पीटीसी लालू कुमार सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे। टीम का नेतृत्व स्वयं थानाध्यक्ष कर रहे थे। छापेमारी के दौरान कतरडीह गांव के कई घरों में तलाशी ली गई, जहां से पांच साइबर अपराधियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 11 एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी

अपराधियों की जानकारी देते थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी व अन्य

बरामद किए गए जिनका उपयोग विभिन्न राज्यों में ठगी के लिए किया गया था।गिरफ्तार अभियुक्तों में अभिषेक सिंह उर्फ दिलीप कुमार (20 वर्ष), पिता झ उचित सिंहरवि कुमार उर्फ अंकित राज (25 वर्ष), पिता झ उमेश सिंहअमरेश कुमार (27 वर्ष), पिता सुचित सिंहप्रभात कुमार उर्फ प्रभात सिंह (34 वर्ष), पिता श्रवण सिंहविक्रम कुमार (23 वर्ष), पिता रंजीत पासवानसभी अभियुक्त कतरडीह, थाना कतरीसराय, जिला नालंदा के निवासी हैं।साथ हींपुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि सभी मोबाइल फोन साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए हैं।

बरामद नंबरों पर विभिन्न राज्यों में दर्जनों साइबर ठगी के मामले दर्ज हैं। साथ ही गिरफ्तार आरोपियों में से रवि उर्फ अंकित और अभिषेक सिंह के खिलाफ पहले भी साइबर ठगी के मामले दर्ज हैं और ये दोनों पूर्व में जेल भी जा चुका हैं। जेल से छूटने के बाद इन्होंने पुनः इस आपराधिक गतिविधि को अपनाया। थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने पुष्टि की कि सभी बरामद मोबाइल फोन और आरोपी साइबर अपराध में लिप्त पाए गए हैं तथा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

खूंटी हरखेली में सरकारी योजनाएं पहुंचीं चौखट तक

AGENCY PURNIA : डॉ. भीमराव अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के अंतर्गत शनिवार को प्रखंड श्रीनगर के खूंटी हरखेली पंचायत में विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति, जनजाति और महादलित समुदायों के सशक्तिकरण एवं समग्र विकास को गति देना था।

इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी गनौरी पासवान की उपस्थिति में योग्य लाभुकों के बीच मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के तहत जॉब कार्ड का वितरण किया गया। इस पहल से ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और स्थानीय स्तर पर उन्हें रोजगार सुनिश्चित किया जा सकेगा।

पासवान ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने बताया कि विशेष विकास शिविर के माध्यम से लोगों को न सिर्फ जानकारी दी जा रही है बल्कि उन्हें योजनाओं से जोड़ने की दिशा में भी ठोस पहल की जा रही है।

शिविर में मनरेगा के अलावा आवास, सामाजिक सुरक्षा, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना, वृद्धावस्था पेंशन सहित कई कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल भी लगाए गए थे, जिनका लाभ ग्रामीणों ने उठाया। स्थानीय लोगों ने इस शिविर की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ, दोनों एक ही स्थान पर सुलभ हुए हैं। यह शिविर सरकारी प्रयासों और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

राजगीर में पहली बार आयोजित मैंगो फेस्टिवल ने पर्यटकों का जीता दिल

AGENCY NALANDA : पर्यटन नगरी राजगीर में पहली बार आम पर आधारित चार दिवसीय मैंगो फेस्टिवल का आयोजन किया गया है जिसने स्थानीय लोगों और पर्यटकों का दिल जीत लिया है।

यह भव्य आयोजन होटल अरुण्या गौतम विहार परिसर में किया गया है। जहां आम की विभिन्न प्रजातियों और उससे बने व्यंजनों की अनूठी प्रदर्शनी देखने को मिल रही है। फेस्टिवल का उद्घाटन वरीय वार्ड पार्षद एवं होटल के चेयरमैन महेन्द्र यादव ने किया। उन्होंने उद्घाटन समारोह में कहा यह फेस्टिवल न केवल स्वाद और ताजगी का उत्सव है बल्कि यह मगध क्षेत्र की सांस्कृतिक और कृषि विविधता को भी दर्शाता है। फेस्टिवल में दशहरी, लंगड़ा, चौसा, फजली, अलफांसो,

मालदा, दुधिया मालदा, सिंधुरी और अम्रपाली जैसी प्रजातियों के आम प्रदर्शित किए गए हैं। आम प्रेमियों के लिए यह किसी स्वर्ग से कम नहीं। होटल के महाप्रबंधक अरुण कुमार ओझा ने बताया कि आम से बने दर्जनों प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन-जैसे आम का जूस, शरबत, मिल्कशेक, आइसक्रीम, रसमलाई, केक, बर्फी, पेड़ा, हलवा, लड्डू, कुल्फी और आम पना-परोसे जा रहे हैं। इस फेस्टिवल की खास बात यह है कि रसोइयों ने आम से बने कुछ नायाब और नवाचारी व्यंजन जैसे आम मोमोज, आम टिक्की और आम पिज्जा भी तैयार किए हैं, जो खासकर महिलाओं और युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। फेस्टिवल को और आकर्षक बनाने के लिए पूरे होटल परिसर को आम से संबंधित सजावटी थीम से सजाया गया है।

मंगनी लाल मंडल ने राजद प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए दाखिल किया नामांकन

PATNA : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश अध्यक्ष को लेकर आज राजद सुप्रीमो लालू यादव की उपस्थिति में मंगनी लाल मंडल ने नौमिनेशन किया। मंगनी लाल मंडल ने राजद कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। 19 जून को कार्यसमिति की बैठक में उनके नाम की औपचारिक घोषणा की जाएगी। नामांकन के दौरान लालू यादव उनकी पत्नी राबड़ी देव और उनके पुत्र तेजस्वी यादव समेत सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थें। मंगनी लाल मंडल एक अनुभवी नेता हैं। वे बिहार विधान परिषद के सदस्य, राज्य के कैबिनेट मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। वे झंझारपुर लोकसभा सीट से भी चुनाव जीत चुके हैं। हाल ही में उन्होंने जदयू छोड़कर एक बार फिर राजद का दामन थामा है।

अतिक्रमित भूमि की घेराबंदी के क्रम में विरोध प्रदर्शन करने वाले 40 के खिलाफ केस दर्ज

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज काली पूजा मेला ग्राउंड वार्ड संख्या एक में दो दिन पूर्व अतिक्रमित जमीन को कब्जा मुक्त कराने के बाद घेराबंदी के क्रम में विरोध प्रदर्शन और हंगामा करने वालों के खिलाफ अनुमंडल प्रशासन के निर्देश पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सूयानंद सिंह ने केस दर्ज कराया है।

सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, आगजनी, गाली गलौज करने के मामले में दर्ज कराए गए केस में 10 लोगों के खिलाफ नामजद और 30 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया है। जानकारी शनिवार को फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि मामले में कांड संख्या 287/25 बीएनएस की धारा 191(2),

132, 324(4), 352 के तहत दर्ज कराया गया है। केस के अनुसंधानकर्ता एसआई उपेंद्र शर्मा बनाए गए हैं।

नामजद आरोपितों में फिरोज अंसारी पिता मो. रहमतुल्ला,रेखा देवी पति स्व. प्रदीप सदा, संजुला देवी पति उमेश ऋषिदेव उर्फ पगलू, गीता देवी पति प्रमोद बैतनैम, ज्योति देवी पति शंभु ऋषिदेव, बिच्छु देवी पति विजय वैतनैम, अशोक ऋषिदेव पिता ढेपन ऋषिदेव, ललिता देवी पति अंटू सरदार, संजीत ऋषिदेव पिता धुपलाल ऋषिदेव, बुर्धन बैतनैम पिता गौरी बैतनेम एवं अन्य 25 से 30 की संख्या में अज्ञात लोगों पर सरकारी संपत्ति को जानबुझकर नुकसान पहुंचाने, सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने, गाली गलौज करने, आगजनी एवं रोड जाम कर आमजनो के आवागमन को बाधित करने का आरोप लगाया गया है।

महिला संवाद कृषि, पशुपालन और मखाना उत्पादन से जुड़ी महिलाओं ने बाजार व प्रशिक्षण की उठाई मांग

'जीविका' की मदद से बदल रही महिलाओं की जिंदगी

AGENCY SAHARSA : महिला संवाद कार्यक्रम ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नई ऊर्जा और उम्मीदें भर दी हैं। शनिवार को जिले भर में आयोजित इन कार्यक्रमों में महिलाएं उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं, जहां वे न केवल जानकारी प्राप्त कर रही हैं, बल्कि अपनी आकांक्षाएं और समस्याएं खुलकर साझा कर रही हैं। यह मंच महिलाओं को न केवल आत्मविश्वास से भर रहा है, बल्कि उन्हें सशक्त बनाने का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है। जिले के पतरघट की रहने वाली जया कुमारी ने कार्यक्रम के दौरान बताया कि एक समय ऐसा था जब वह तंगहाली में जीवन बिता रही थीं। लेकिन जीविका योजना से मिली मदद ने उनकी जिंदगी बदल

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण महिलाएं

दी। जया ने 50,000 रुपये का ऋण लेकर अचार बनाने का व्यवसाय शुरू किया और आज वह हर वर्ष दो से ढाई लाख रुपये तक की आमदनी कर रही हैं। उनके अचार की सप्लाई कई जिलों में हो रही है और उनकी सफलता अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा दे रही है। इन संवादों में महिलाएं अपने गांवों को सुंदर और स्वच्छ देखने की कल्पना कर रही हैं, तो कुछ रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की जरूरत पर जोर दे रही हैं। सलखुआ प्रखंड की आरती देवी ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं की स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आया है। अब महिलाएं अपने हक के लिए जागरूक हो रही हैं। शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सुधार से न केवल आत्मनिर्भरता बढ़ी है, बल्कि भेदभाव और घरेलू हिंसा में भी कमी आई है। आरती देवी ने आगे कहा कि यदि सरकार का सहयोग इसी प्रकार जारी रहा तो महिलाएं राज्य और जिले के समग्र विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं ।सत्तर कटैया प्रखंड की छात्राओं ने सरकार की पोशाक, साइकिल और छात्रवृत्ति योजना से मिली मदद को साझा किया।

विश्व रक्तदान दिवस पर राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया रक्तदान

PATNA : विश्व रक्तदान दिवस पर बिहार कैडर के आईएएस, आईपीएस और आइएफएस अधिकारियों और उनके परिवार द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में शनिवार को कुल 207 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर पीड़ित मानवता की सेवा के प्रति अपने संकल्प को व्यक्त किया है। इस रक्तदान शिविर का आयोजन बिहार आईएएस एसोसिएशन, बिहार आईपीएस एसोसिएशन और बिहार आइएफएस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस रक्तदान शिविर से कुल 207 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया और उसे अस्पतालों को सौंप दिया गया, ताकि इस रक्त से बीमार और जरूरतमंद लोगों को पुनः नया जीवन दिया जा सके।

हत्या मामले में सांसद पप्पू यादव ने जताया दुख, पीड़ित परिवार से मिले

AGENCY PURNIA : पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र के बड़हरा कोठी प्रखंड अंतर्गत गौरीपुर परसा वार्ड संख्या-03 में निवासी संजीव मंडल के छोटे भाई पंचन मंडल की ठेकेदार द्वारा एसिड पिलाकर हत्या कर देने की घटना को पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने अमानवीय बताया। इस दौरान पप्पू यादव ने पीड़ित परिजनों से भेंट कर गहरी संवेदना व्यक्त की और इस निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह इंसानियत की हत्या है। ऐसा करने वालों का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए। मामले को लेकर सांसद पप्पू यादव ने पूर्णिया के पुलिस अधीक्षक एवं बड़हरा कोठी थानाध्यक्ष से इस मामले में वार्ता कर दोषी पर त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की हैवानियत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अपराधी को ऐसी सजा मिले कि भविष्य में कोई भी ऐसी घिनौनी हरकत करने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने पीड़ित परिवार को अपनी ओर से 10,000 की आर्थिक सहायता भी प्रदान की और हर स्तर पर सहयोग देने का आश्वासन दिया। यादव ने कहा कि न्याय की इस लड़ाई में वे पूरी मजबूती से परिवार के साथ खड़े हैं और पीड़ित को इंसाफ दिलाना उनकी प्राथमिकता है।

आखिरकार इजरायल द्वारा ईरान पर रणनीतिक हमला किए जाने के वैश्विक मायनों को ऐसे समझिए

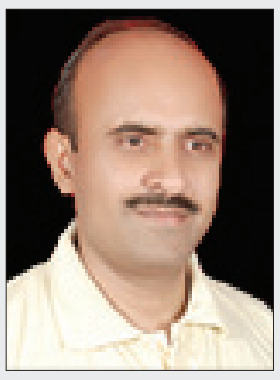

कमलेश पांडेय

समझा जाता है कि ईरान की बार-बार की बन्दरघुड़की का इजरायल ने करारा जवाब दिया है। इस्राइल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न केवल सबको चौंका दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र को एक बार फिर से अनिश्चितता के जद्दोजहद में धकेल दिया है।

लीजिए एक और युद्ध का आगाज हो गया। इससे हथियार निमार्ता कम्पनियों की बाछें पुनः खिल गई। कहते हैं कि मरता क्या नहीं करता? आखिरकार बत्तीस दांतों के बीच घिरी जिह्वा की तरह मुस्लिम देशों से घिरे एकमात्र यहूदी मुल्क इजरायल ने अपने रणनीतिक हिफाजत के लिए मुस्लिम वर्ल्ड के सरगना देश ईरान पर निर्णायक हमला बोल दिया है, ताकि उसके परमाणु कार्यक्रमों पर ब्रेक लगाकर संभावित परमाणु हमलों से इजरायल के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

समझा जाता है कि ईरान की बार-बार की बन्दरघुड़की का इजरायल ने करारा जवाब दिया है। इस्राइल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न केवल सबको चौंका दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र को एक बार फिर से अनिश्चितता के जद्दोजहद में धकेल दिया है। इससे महंगाई और बबार्दी दोनों बढ़ेगी। वहीं, गुटीय युद्ध से बचने के लिए अमेरिका ने तत्काल यह साफ किया है कि इस कार्रवाई में वह शामिल नहीं है। वहीं, अब यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि रूस और चीन की रजामंदी के बाद ईरान भी पुरजोर जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे तीसरा विश्वयुद्ध भी भड़क सकता है।

दरअसल, इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। यह हमला भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ छेड़े गए ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई जैसा है, लेकिन अपने दृढ़ संदेश में ऑपरेशन राइजिंग लायन एक मजबूत संदेश देता है, जिससे इस्लामिक देशों की चूलें हिल चुकी हैं।

वहीं, ईरान ने भी यह माना है कि इन हमलों में उसके कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉप्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। इससे ईरान ने जवाबी कार्रवाई का इरादा भी जता दिया है। वहीं, इस्राइली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13% बढ़ गई। जबकि कुछ शेयर बाजार रॉकेट की तरह भागे, और कुछ धराशायी हो गए।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस्राइल लंबे समय से कहता

रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। क्योंकि उसका यह कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह 15 परमाणु बम बना सकता था। जो इजरायल के खिलाफ ही उपयोग होता। ऐसे में उसने निर्णायक हमले किए।

यह बात दीगर है कि इस्राइल के इन आरोपों की स्वतंत्र तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। वहीं यह बात भी सत्य है कि इस मसले पर अमेरिका से ईरान की बातचीत चल रही थी। 15 जून रविवार को भी दोनों पक्षों में अगले दौर की वार्ता होनी थी। ऐसे में इस्राइल की अचानक की गई इस कार्रवाई के बाद सभी पक्षों की नजरें इस पर टिक गई हैं कि आगे घटनाक्रम कैसा रूप लेता है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि ईरान की जवाबी कार्रवाई का स्वरूप कैसा और उसका दायरा कितना बड़ा होता है। क्या वह खुद को इस्राइल के खिलाफ सांकेतिक कार्रवाई तक सीमित रखता है या फिर अमेरिकी दूतावासों व अन्य ठिकानों को भी अपनी जद में लेता है या होरमुज की खाड़ी से गुजरते जहाजों को भी निशाना बनाता है जहां से 21% ग्लोबल तेल की सप्लाई होती है।

गौरतलब है कि इजरायली हमले के बाद वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा, परमाणु विज्ञानियों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को निशाना बनाया। उन्होंने ईरान पर हमले के बाद यह साफ कर दिया कि ऑपरेशन राइजिंग लॉयन अभी खत्म नहीं हुआ है। इजरायली हमले में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान पर हुए इजरायली हमलों में अमेरिका शामिल नहीं है। साथ ही उन्होंने तेहरान को अमेरिकी हितों और कर्मियों को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी दी। जबकि इजरायली रक्षा अधिकारी ने दावा किया कि हमलों में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और उनके कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे जा चुके हैं।

ईरान पर इजरायली हमले के बाद अमेरिका ने एक आपात बैठक बुलाई। डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। इसमें अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आगे की एहतियाती रणनीति तय की गई। चूंकि तेहरान में हुए धमाकों के बाद इराक और ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। इससे वैश्विक वायुयान सेवाओं पर भी असर पड़ना लाजिमी है।

वहीं, इजरायल ने ईरान में हमले के बाद देशभर में इमरजेंसी लागू की। इसके अलावा इस्राइल ने दुनिया भर में अपने दूतावास बंद करने का एलान किया है। साथ ही इस्राइल ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी या इस्राइली प्रतीक न दिखाने की अपील की है।

मालूम हो कि विगत कई दशकों से गाजा पट्टी में इजरायल के खिलाफ संघर्षरत फिलिस्तीनियों और हमास के आतंकियों को जहां ईरान, सीरिया, जॉर्डन आदि मुस्लिम देश खुला समर्थन दे रहे हैं, वहीं पाकिस्तान-तुर्किये-अजरबैजान जैसे कुख्यात मुस्लिम देश भी उन आतंकियों को गुप्त शह प्रदान कर रहे हैं। लिहाजा इजरायल ने अब तय कर लिया है कि उसके खिलाफ षड्यंत्र में शामिल मुस्लिम देशों को अब बारी-बारी से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

शायद इसलिए इजरायल ने अब ऐसे मुल्कों की जड़ों पर ही हमला बोलने का निश्चय किया है, जिसकी खौंफनाक शुरूआत भी कर दी है। जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

जानकारों की मानें तो पहाड़ों में भी ईरान के परमाणु ठिकाने हैं, जिसे अमेरिकी मदद के बिना इजरायल खत्म नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि इजरायल सिर्फ ईरानी परमाणु ठिकाने को ही नहीं, बल्कि उसकी खुमैनी सरकार को भी हटाना चाहता है। इसलिए इतना खतरनाक हालात पैदा किए हुए है। जाहिर है कि बिना अमेरिका, यूरोप व एशिया के नाटो देशों के इशारे के वह ऐसी हिमाकत कदापि नहीं कर सकता है।

वहीं, हमले के बाद आईडीएफ ने कहा कि ईरान लगातार इजरायल के खिलाफ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है और अपने प्रॉक्सी गुटों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैला रहा है। इससे साफ है कि देर सबेर वह दूसरे मुस्लिम सरगना देश तुर्किये और तीसरे इस्लामिक आतंकवादी सरगना देश पाकिस्तान के ऊपर भी हमला अवश्य करेगा। फिलवक्त चूंकि पाकिस्तान व तुर्किये अमेरिका के सरपरस्त देश हैं, इसलिए इनकी बारी कब आएगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सिर्फ वक्त का इंतजार करना ही श्रेयस्कर होगा।

इस प्रकार देखा जाए तो इजरायल-ईरान विवाद से जुड़े इस पूरे मसले पर वर्ल्ड इस्लामिक काउंसिल (ओआईसी) के लगभग 56 मुस्लिम सदस्य देश भी आपस में विभाजित हैं, क्योंकि जो अमेरिका के सरपरस्त हैं, वो चुप्पी साधे बैठे हैं। वहीं जो रूस-चीन-उत्तर कोरिया के समर्थक हैं, वो ईरान के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। चूंकि अमेरिका ने बड़ी सफाई से खुद को अलग कर लिया है, इसलिए अब यह रूस-चीन के ऊपर है कि वो खुलकर मैदान में आएंगे या नहीं। जबकि गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह इजरायल-ईरान युद्ध में भी अपनी तटस्थता बरकरार रखी है।

संपादकीय

निष्पक्ष हो तफ्तीश

मेडे, ये वो आपात संदेश था जो बृहस्पतिवार को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान के पायलट ने उड़न भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) को भेजा था, लेकिन एटीसी जब तक कोई प्रतिक्रिया करता तब तक दूसरी ओर सुनने वाला कोई बचा नहीं था। विमान टेक ऑफ करने के कुछ ही मिनटों के भीतर हवाई अड्डे के बाहर सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार देशी विदेशी यात्रियों और क्रू सहित 242 लोगों में से सिर्फ एक खुशकिस्मत यात्री के सिवा कोई नहीं बचा। मेडिकल कॉलेज होस्टल, कैफेटेरिया को भी भारी क्षति पहुंची और 10 से अधिक लोगों की भी मौत हुई है जिनमें कुछ प्रशिक्षु चिकित्सक थे। लंदन जा रहे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मृत्यु हो गई। स्वाभाविक तौर पर यह कभी न भूलने वाला गम है। हादसे के वास्तविक कारणों का पता तो जांच के बाद ही लग सकेगा, लेकिन कुछ तथ्यों पर तुरंत गौर करना जरूरी है। वह क्या कारण थे कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) उड़ान भरने के बाद 625 फुट से ऊपर नहीं उठ पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान के लैडिग गेयर भी तब तक सिमटे नहीं थे कि पायलट को आपात पुकार लगानी पड़ी, लैंडिग गेयर समेटने की प्रक्रिया स्वचालित होती है। क्या विमान टेक ऑफ के लिए जरूरी गति नहीं पकड़ पाया था। विमान को तेजी से नीचे आते देखा गया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऐसा भी नहीं है कि पायलट कम अनुभवी रहे हों। उड़ान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के हाथों थी। सभरवाल के पास 8200 घंटे की उड़ान का अनुभव था। हादसे की परिस्थितियां विमान के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। क्या उड़ान से पहले जरूरी जांचों में लापरवाही बरती गई थी? बोइंग कंपनी के विमानों को लेकर बीते वर्षों में इसमें कई तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी सामने आई हैं। कई बार ड्रीमलाइनर्स मॉडल के सभी विमानों को उड़ान भरने से रोका जा चुका है। कंपनी अभी तक तो सभी आरोपों से इनकार करके बचती रही है। अब वक्त आ गया है कि अहमदाबाद हादसे में मारे गए पायलट की आपात पुकार को हर वक्त सुना जाए और विमानों के मेंटिनेंस में लापरवाही को आपराधिक कृत्य माना जाए ताकि अब कोई और हादसा न हो और देश की छवि पर कोई धब्बा न लगे।

चिंतन-मनन

ब्रह्म मुहूर्त में क्यों जागे

साढ़े तीन बजे का महत्व सिर्फ 33 डिग्री अक्षांश तक के लिए ही होता है। 3.40 पर सूर्य उस जगह पहुंच जाता है, जहां उसका सीधा संबंध पृथ्वी से हो जाता है। इस समय उसकी किरणें ठीक आपके सिर के ऊपर होती हैं। जब सूर्य की किरणें धरती के दोनों तरफ एक ही जगह पड़ती हैं, तो इंसान का सिस्टम एक खास तरीके से काम करने लगता है और तब एक संभावना बनती है। इस संभावना के इस्तेमाल करने को लेकर लोगों में जागरूकता रही है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। वैसे तो सूर्य हमेशा आपके सिर के ऊपर ही होता है, लेकिन जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.4? से लेकर अगले 12 से 20 मिनट तक।

अब सवाल आता है कि इस समय में हम क्या करें? इस समय में हम ध्यान करें या क्रिया करें? इससे कोई फर्प नहीं पड़ता कि आप क्या करें। इस समय में आपको वही करना चाहिए, जिसमें आपको दीक्षित किया गया है। दरअसल, दीक्षा का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई क्रिया सिखाई गई है, इसका मतलब है कि इस क्रिया से आपके सिस्टम को परिचित करा कर आपके सिस्टम में इसे बाकायदा स्थापित किया गया है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। उसकी वजह है कि इस समय धरती आपके सिस्टम के अनुसार काम करती है। अगर आप खास तरीके से जागरूक हो जाते हैं, आपके भीतर एक खास स्तर की जागरूकता आ जाती है तो आपको इस समय का सहज रूप से अहसास हो जाता है। अगर आप सही वक्ति पर सोने चले जाते हैं तो आपको उठने के लिए घड़ी देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपको हमेशा पता चल जाएगा कि कब 3.40 का वक्ति हो गया है, क्योंकि यह वक्ति होते ही आपका शरीर एक अलग तरीके से व्यवहार करने लगेगा।

अनकहा और अपरिभाषित होता है पिता का प्रेम

विनोद कुमार विक्की

जून माह का तीसरा रविवार पिता के सम्मान प्रेम और योगदान को समर्पित किया गया है। इस वर्ष यह दिवस 15 जून को मनाया जा रहा है।

मातृत्व की महत्ता से अभिभूत तथा मदर्स डे के उपदेशों से प्रेरित होने वाली सोनोरा स्मार्ट डोड ने अपने पिता के सम्मान में 19 जून 1910 को वाशिंगटन के स्पोकेन में पहली बार फादर्स डे मनाने की परंपरा का आगाज किया। पितृत्व त्याग और प्रेम को समर्पित इस दिवस को माता के सम्मान में मनाये जाने वाले मदर्स डे का पूरक माना जाता है। स्मार्ट डोड के पिता विलियम जैक्सन स्मार्ट, अमेरिकी गृह युद्ध के एक जांबाज योद्धा थे। पहली पत्नी एलिजाबेथ और दूसरी पत्नी एलेन विक्टोरिया चीक की मृत्यु के उपरांत विलियम ने अकेले पिता के रूप में कठिन परिस्थितियों के बावजूद नवजात शिशु सहित अपने छः बच्चों के परवरिश की गहन जिम्मेदारी का निर्वाह किया। अपनी संतान के प्रति उनका अटूट प्रेम, संघर्ष और त्याग ही फादर्स डे के पीछे की प्रेरणा बन गया।

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि लौकिक ईश्वर का दर्जा प्राप्त माता-पिता के त्याग, समर्पण और प्रेम को शब्दों एवं समय की परिधि से बांधा नहीं जा सकता। इनके योगदान के प्रति भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए संभवतः संपूर्ण जीवन भी कम पड़ जाए। भाग-दौड़ भरी व्यस्तता और परिवार के मुखिया के लिए अव्यक्त अभिव्यक्ति के बीच जून का तीसरा रविवार यह मौका देता है कि फादर्स डे के बहाने पिता के योगदान और भूमिका का अहसास कर अपने पिता के प्रति प्रेम, सम्मान और आभार को खुल कर व्यक्त कर सकें। फादर्स डे पिता के महत्व को पहचानने और उनके योगदान को सराहने का अवसर देता है। यह विशेष दिवस पारिवारिक बंधन को मजबूत करने में पिता की भूमिका का मार्मिक अहसास कराने के साथ ही पिता और बच्चों के बीच के रिश्ते को और भी प्रगाढ़ करने में मदद करता है। परिवार एवं समाज में पिता की भूमिका और उनके महत्व को बढ़ावा देने के साथ ही उनके योगदान को सराहने का अवसर भी प्रदान करता है।

जून के तीसरे रविवार को फादर्स-डे के रूप में मनाये जाने हेतु अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बी जॉनसन ने वर्ष 1966 में इसे आधिकारिक मान्यता प्रदान की थी। वर्ष 1972 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने फादर्स डे को एक स्थायी राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। हालांकि सोनोरा स्मार्ट डोड द्वारा प्रारंभ फादर्स-डे मनाये जाने को 1924 में राष्ट्रपति कैल्विन कूलिज ने समर्थन देने की घोषणा की थी, किंतु आधिकारिक तौर पर इसे वर्ष 1966 में ही मान्यता मिल पायी।

पिता के प्रेम को परिभाषित कर पाना काफी मुश्किल है, क्योंकि यह प्रेम अनकहा और अक्सर अल्प व्यक्त होता है, लेकिन इसका प्रभाव बच्चों के जीवन पर गहरा होता है। पिता का प्रेम एक माँ के प्रेम से अलग होता है। यह प्रेम एक मार्गदर्शक प्रकाश है, जो हर बच्चे के लिए प्रेरणा और शक्ति का स्रोत है। परिवार में पिता की भूमिका संरक्षक एवं मार्गदर्शक का होता है। परिवार के लिए आदर्श स्थापित करने वाले पिता से उनकी संतान ज्ञान, शक्ति और साहस प्राप्त करते हैं। मुश्किल समय में सहारा और भावनात्मक शक्ति पिता से प्राप्त होती है। अनुशासन मिश्रित पिता का प्रेम बच्चों को सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। पिता अपने बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत होता है। वो हमेशा अपनी मेहनत और समर्पण से उन्हें प्रेरित करते हैं।

पिता अपनी संतान को ना केवल दैहिक और आर्थिक सुरक्षा देता है, बल्कि उन्हें सामाजिक पहचान, प्रतिष्ठा और भावनात्मक समर्थन भी प्रदान करता है। प्रेरणा और मार्गदर्शन तथा जीवन के मूल्यों से परिचय कराते हुए बच्चों में साहस, ज्ञान और आत्मविश्वास उत्पन्न करता है। हालांकि यह एक कड़वा सच है कि अक्सर पिता परिवार की आर्थिक जरूरतों एवं संतान की जरूरत को पूरा करने के लिए परिवार एवं बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाता है। जिस कारण माता की अपेक्षा पिता का प्रेम प्रायः अव्यक्त और अपरिभाषित ही रह जाता है।

माँ है ममता की फर्श, पिता छत और दीवार होता है
माँ से होता है घर जनाब, तो पिता से संसार होता है।

सरल शब्दों में कहा जाय तो सामाजिक दायित्व और पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा सामान्य ऊर्जा और साधारण व्यक्तित्व वाला पिता अपने बच्चों के लिए उसके जीवन का आदर्श और उसका सुपर हीरो होता है।

ईरान-इजरायल संघर्ष से खतरे में वैश्विक शांति

डॉ. एस.डी. वैष्णव

ईरान और इजरायल के बीच सीधे तौर पर युद्ध की शुरूआत हो चुकी है। दोनों ओर से एक-दूसरे पर बम बरसाए जा रहे हैं और हालात दिन-प्रतिदिन बदतर हो रहे हैं।

चूंकि इजरायल के साथ अमेरिका भी है तो जाहिरैहै, ईरान के लिए मौजूदा वक्त काफी चुनौतीपूर्ण है। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका और इजरायल लगातार ईरान को चेतावनी दे रहे थे। पिछले वर्ष तेहरान पर अपने बम वषर्क विमानों से हमला करके इजरायल ने वहां हड़कंप मचा दिया था। ऑपरेशन ह्यनेशन ऑफ लायंसह्न के तहत एक बार फिर इजरायल ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल साइट्स पर बारूद बरसाकर अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं। इस बार तेहरान पर हुए हमले में इजरायल ने ईरान के आर्मी चीफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड क्रॉप्स के कमांडर-इन-चीफ हुसैन सलामी के साथ परमाणु वैज्ञानिक डॉ. फरेदून अब्बासी-दावानी और डॉ. तेहरांची के मारे जाने की पुष्टि की है। इजरायल हमेशा सुनियोजित और पूरी तैयारी के साथ हमले करता है, जिसमें मोसाद की अहम भूमिका रहती है, यह उसी का परिणाम है।

ईरान पर किए गए हमले के बाद ईरान की जवाबी करवाई की आशंका के चलते इजरायल में इमरजेंसी घोषित की गई है। ईरान के लिए यह हमला निश्चित रूप से बड़ी क्षति है। और उसने इजरायल पर जवाबी कार्रवाई शुरू भी कर दी है। ईरान के साथ इराक ने भी अपना एयर स्पेस बंद कर दिया है। उधर इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्स ने कहा है कि हम ईरान के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देंगे। इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से जो जुबानी जंग चल रही थी; वह अब बारूदी जंग में बदल गई है। ईरान के इतने महत्त्वपूर्ण लोगों का एक साथ हमले में मारा जाना ईरान के सुरक्षा और खुफिया तंत्र पर सवाल खड़े करता है। इजरायल के लिए निश्चित रूप से यह एक रणनीतिक जीत कही जाएगी। ईरानी सेना प्रमुख जनरल मोहम्मद बाघेरी को ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) के साथ रणनीतिक और परमाणु नीति निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते देखा जाता रहा है। ईरान के इतने बड़े और महत्त्वपूर्ण पद पर बैठे अधिकारी के मारे जाने से मध्य-पूर्व में युद्ध की आग निश्चित रूप से और बढ़ेगी। हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु संवर्धन संधि को लेकर अलग-अलग देश में बैठकें जारी थीं और यह बातचीत किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रही थी।

अमेरिका इजरायल को ईरान के परमाणु साइट्स पर हमले न करने के लिए लगातार रोक रहा था। हमले के बाद अमेरिका ने कहा है कि इस हमले में उनका कोई हाथ नहीं है, लेकिन ईरान इस हमले को अमेरिका की ओर से उकसावे की रणनीति मानता है। आज जिस युद्धाक्रांत समय के साये में हम जी रहे हैं, वहां से सिर्फ भय और टकराहट की लपटें उठती नजर आती है। उधर रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत होता दिख नहीं रहा है। गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया पर इजरायली बारूद लगातार बरस रहा है। मेरे जेहन में इजरायल का अरब देशों के साथ हुआ 6 दिन का संघर्ष जिसमें इजरायल की जीत हुई थी और इजरायल द्वारा अपने अपहृत नागरिकों को वापस लाने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन थंडरबोल्ट' की याद ताजा है। इजरायल अपने विरोधियों के खिलाफ हर मोर्चे पर आक्रामक रुख अख्तियार करता रहा है। इस बार मध्य-पूर्व में यदि युद्ध विस्तारित हुआ, तो वैश्विक महाशक्तियां इस जंग में अपने कदम अवश्य रखेगी। आईडीएफ, मोसाद और अमेरिकी बैकअप इजरायल की ताकत है, इसलिए मध्य-पूर्व में इजरायल किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगा।

बहरहाल, विचलित करने वाला यह समय हमें भीतर तक झकझोरता है। वैश्विक शांति के लिए महाशक्तियों को अपनी साम्राज्य विस्तार की नीतियों पर भी लगाम लगानी होंगी। जय-पराजय का यह समर किस मोड़ पर जाकर रुकेगा, अभी कहा नहीं जा सकता, लेकिन दो महायुद्धों के बीच जन्मी जयशंकर प्रसाद की कामायनी

का यह छंद मनुष्यता के पक्ष में खड़ा नजर आता है- 'दुख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात' इस बात का यकीन दिलाता है कि दुख की पिछली रजनी को लांघकर, कभी-न-कभी सुख का नवल प्रभात अवश्य खिलेगा और उसदिन सारा विश्व समरसता की गूंज से भर उठेगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The nightmare after RCB's dream win

The tournament is now a yearly affair, much anticipated by youngsters. The goal of breaking down barriers between communities on the one hand and the people living in the slums and the police on the other was achieved. The power of cricket to unify was successfully tested. It has stood the test of time, particularly in riot-torn areas of the city. Where senior police officers got involved, the results were even better.

The IPL teams are named and structured on the basis of states (Gujarat, Rajasthan, Punjab) or cities (Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, Chennai, Kolkata, Delhi, Lucknow). The beauty of this arrangement is that the players in each team are drawn from across India and even beyond through auctions. The RCB team that won the tournament this year did not have any player from Bengaluru or even from the state (Karnataka) in its ranks. Yet, the people of the state and its government claimed ownership of the team — because it won.

The state government, basking in the reflected glory of the RCB's victory, ordered that the team, on its arrival at the Bengaluru airport, be taken to the Vidhana Soudha for a ceremonial welcome by the Cabinet. It issued verbal orders to the police on the phone to cooperate with the makeshift arrangements despite the lack of time to plan the bandobast.The winning team had already posted a message on social media that a victory parade would be organised. This message came at 7 am on June 4. The plan to felicitate the team at the Vidhana Soudha was finalised at 10:30 am. A victory in cricket can enthuse every supporter, even those who have never handled bat or ball. In any case, a message from the Chief Minister's office could not have been ignored by the police top brass.

Siddaramaiah, the jubilant CM, obviously expected the Police Commissioner to rise to the occasion. When the tragedy occurred, he promptly shrugged off responsibility and suspended the Commissioner and four others down the chain. He also appointed a one-member commission, presided over by a retired High Court Judge, to probe various aspects of the events that led to the disaster. By doing so, he thought that he had washed his hands of the blame that would, in the usual course of things, come to rest on his shoulders and that of his government.I agree that the police could have done a better job, but the government should not have burdened the police with the unnecessary reception at the Vidhana Soudha. Many personnel must have been deployed at that venue. If even a minor mishap had occurred there, all hell would have broken loose.

If the government and the ruling party wanted credit for the RCB win, they should also be ready to take responsibility for the stampede that occurred outside the Chinnaswamy Stadium. Former Prime Minister Lal Bahadur Shastri was the Railway Minister in Nehru's cabinet when a major rail accident took place. Being a conscientious person, he resigned from the Cabinet.The Karnataka CM, or more appropriately the Deputy CM, who was the most visible dignitary at the Vidhana Soudha function, should have stepped down in the spirit of a noble politician like Shastri. That gesture would have pacified the people.The knee-jerk reaction of the CM and the police to register cases against the RCB management is distressing, to say the least. I do hope that saner counsel prevails and that Virat Kohli and his team-mates are not "punished" for winning the IPL trophy.

When grandstanding drowned governance in Bengaluru

When a private brand is celebrated on public property using state resources, with utter disregard for security and safety, the idea of responsible governance is inverted. By scapegoating honest officers, the government has crossed an ethical line

The tragedy that unfolded at Bengaluru's M Chinnaswamy Stadium—where a celebration spiralled into a stampede—was synthetic, foreseeable and entirely self-inflicted. It was not a case of public enthusiasm gone awry; it was the culmination of a toxic brew of political theatre, administrative apathy and corporate vanity. It laid bare a deeper crisis: a collapse of institutional judgement and a contemptuous disregard for the sanctity of public life. The government's response—suspending the city police commissioner and other senior officers in haste—only served to expose the rot. Scapegoating of honest officers has become the easiest way to deflect accountability. This time, it crossed an ethical line.

When spectacle replaces governance, tragedy ensues. What exactly was the occasion for the grand felicitation? Royal Challengers Bengaluru—a private IPL franchise that, let us remind ourselves, had only won a trophy—was feted like a conquering army on the grand steps of the Vidhana Soudha, the symbol of Karnataka's democratic and constitutional dignity. With the governor, chief minister, deputy CM, and chief secretary playing hosts, it resembled a swearing-in ceremony, not a sports meet.

Why does the state machinery spring into action to elevate a private commercial venture? The RCB brand is not a public institution; it is a business. Unlike our Ranji Trophy-winning state teams that have brought glory to Karnataka for decades but have never been feted in this manner, RCB's success—modest and long in coming —was transformed into a photo-op, a media spectacle. The motivation was not celebration; it was proximity to celebrity, optics over ethics, and power over prudence. The people came not just because they loved the sport or the team—they came because the state, the Karnataka State Cricket Association , and RCB whipped up a frenzy. Social media was used irresponsibly to amplify the call. No prior assessment was done of the crowd expected. No crowd control plan was in place.Was any consultation done with the police commissioner—the person whose job is to ensure the security of citizens? Was his and his ground-level team's advice heeded? When things went tragically wrong, the same officer was summarily suspended. A career officer known for his integrity and professionalism was cast as the villain in a theatre of public incompetence. This has rightly caused outrage. The public recognises what this is: an old playbook of punishing the wrong person so that those truly responsible may escape scrutiny.John Stuart Mill observed, "The worth of a state in the long run is the worth of the individuals composing it." If the state chooses to discard its honest officers to protect political vanity, what message does it send to its institutions? That loyalty matters more than law and optics more than outcome? This episode is not a lapse; it is a moral and administrative failure. When a state's senior civil servant becomes the anchor for a private sporting event, the lines between governance and theatre blur. When the constitutional head of state, the governor, stands on the same stage without questioning the propriety of the setting, silence becomes complicity.

This was the theatre of the absurd. To be clear, this was not about cricket. It was about politics using sport as a stage, and sport embracing politics as a sponsor. When a private franchise is celebrated on public property using state resources, with no accountability for security or crowd control, the idea of responsible governance is inverted. The political economy of such spectacles relies on one assumption: that the public will forget. That after a few days of outrage, the news cycle will move on. But governance is not a media cycle; it is a responsibility. And this time, the public is not forgetting.

If nothing else, it is a democratic republic, not a personal fiefdom. The Vidhana Soudha is not a stage for private parties; it is a temple of democracy. The Constitution, which sanctifies its steps, demands that power is exercised with restraint and responsibility. B R Ambedkar warned us in the Constituent Assembly that however good the Constitution, its success would depend on the people who implement it. This moment demands reflection. When did we start using constitutional spaces as photo backdrops for brand amplification? When did our senior-most bureaucrats become event managers for celebrity appearances? When did accountability become a game of musical chairs?

This is not only about preventing future tragedies. It is about restoring the sanctity of governance. It is about drawing a clear line between the political and the constitutional, public duty and private ambition. This is a time for correctives. The state must undertake a review of the entire chain of decision-making that led to the event. Who authorised the use of the Vidhana Soudha? Was there any formal assessment of crowd management? Why was the police commissioner not consulted? And why has no action been taken against those in the administrative and political hierarchy who enabled this mindless theatre?The stampede is a wake-up call. Not just for the government, but for all of us who care about how institutions function and public trust is preserved. To let this moment pass without accountability would be to signal that life is cheaper than spectacle. We must reject that proposition and assert that the state once again becomes what it was meant to be—a guardian of public welfare, not a participant in celebrity worship. Then, perhaps, those who suffered might receive justice.

Flight AI 171: A mind-numbing tragedy that begs for clear answers

This is India's worst air disaster involving a single aircraft and the first ever full loss of a Boeing 787 Dreamliner anywhere in the world

The images playing on screens around the world shifted through Thursday as a heart-rending tragedy played out in India. In the afternoon, we saw shocking videos of the ill-fated Air India flight, its nose still up, gliding down soon after take-off and disappearing into a massive, orange fireball.By the evening, the images of the plane's charred remains in the dining block of a medical college hostel came up. A large tail jutting out of a broken wall was a crude reminder of what was once a Boeing Dreamliner. Air India's flight 171 to Gatwick took off from Ahmedabad at 1:38 pm, but seems to have lost power within seconds. It crashed before the pilots could make emergency manoeuvres. All barring one of the 242 passengers and crew members are feared dead; several medical students, too, have lost their lives.

Aviation experts are struggling to understand what happened. While we await a thorough investigation, it's sobering to remember that most aviation accidents occur either during take-off or landing, when the plane is most vulnerable to human error or mechanical malfunction. In this case, what we know is that it was a full flight heavily laden with fuel for a 9-hour haul. The commander was an experienced pilot with over 8,000 hours in the air.

This is India's worst air disaster involving a single aircraft and the first ever full loss of a Boeing 787 Dreamliner anywhere in the world. The aviation giant came under a cloud when multiple whistleblower allegations of improper manufacturing practices led to a US Federal Aviation Administration audit in 2023. Though the company claimed it corrected its errors, a mind-numbing tragedy like this raises serious questions. How do we make air travel safer?The harsh reality is that there is no 'zero-accident' scenario; there are just too many factors that can go wrong. The reassuring fact is that accident rates have consistently declined even as the number of flights has increased—while a decade ago, there was one accident recorded every 456,000 flights, today it's one for every 810,000. But that is of little comfort to the families of the bereaved.It's time to remember that adequate training and rest levels for pilots and crew members are crucial to reduce human error. The danger of bird hits is a serious one in India as waste littered around airports attracts carrions. While we search for answers in the rubble, let's redouble our resolve to improve the things we can.

Triumph of India's diplomatic crusade against terror

The message on cross-border terrorism that the multi-party delegations presented resonated strongly in global capitals. Such unity of purpose is indispensable in times of national crisis

When I first became the chairperson of the Parliamentary Standing Committee on External Affairs, I declared that there is no such thing as a Congress foreign policy or a BJP foreign policy; there is only Indian foreign policy and national interests. Whichever side of the political divide we may be on, when it comes to matters of national security, and when at stake are the sovereignty of India and the safety of its populace, we rally together in the national interest.Our democratic history is replete with instances of former prime ministers—from Indira Gandhi and Narasimha Rao to Manmohan Singh—calling upon political colleagues and eminent Indians across party lines to present India's case overseas on matters of national importance. In this spirit of bipartisanship at moments of national peril, Prime Minister Narendra Modi's government dispatched seven multi-party delegations of MPs and former diplomats to foreign capitals. Representing a cross-section of the political firmament and their composition reflecting India's regional and religious diversity, yet firmly united in their message, these delegations strove to underscore India's zero-tolerance approach to cross-border terrorism in the wake of the Pahalgam horror and Operation Sindoor.

Another vital goal was to impress on our international interlocutors Pakistan's complicity in such acts of terror and its malign nurturing of terror groups, weaponised against India as an instrument of state policy. The ultimate objective of this outreach was to garner global support for India's counterterrorism efforts—all while driving home the point that the perpetrators of terror and the victims of it must never be spoken of in the same breath, let alone be the object of mediation, as if terrorists and their victims could be placed on an equal plane.But even while these delegations where on their missions, conflicting views surfaced in our congested (and often confused) news space on the question of their success, with some dismissing it as a drain on taxpayers' money. The truth is that we have succeeded, emphatically and evidently, in what we set out to do. As the leader of one of the seven delegations, these are my reflections on some of the achievements of our outreach across five nations in South, Central, and North America: Guyana, Panama, Colombia, Brazil, and the US.

In all these five countries, our delegation was greeted with tremendous enthusiasm and regard for India's democratic, inclusive, and united approach to this crucial national security concern. With our diversity—of political affiliation, faith, mother tongue and native region—on ample display, yet speaking the same language of resolve and righteousness, we undertook a series of high-profile engagements. Notably, we met the President of Guyana, Mohamed Irfaan Ali; Prime Minister of Guyana, Brigadier Mark Anthony Phillips; Vice President of Brazil, Geraldo Alckmin; and Vice President of the US, J D Vance.

To ensure that our message resounds in the highest decision- and law-making forums of these countries, we provided thorough briefings on Operation Sindoor and India's evolving counterterrorism policy to government officials and lawmakers—including the heads of external affairs committees in all five countries, presidents of the national assembly in two, and in the US, the Senate foreign relations committee, House foreign affairs committee, and the India Caucus). To shape public discourse in these nations, we extensively

engaged with the media and policy experts, participated in think tank deliberations—as with the Council on Foreign Relations in the US— and brought the Indian diaspora up to speed with developments back at home, providing them with accurate information to serve as advocates for India's position. Though our target audience was those concerned with foreign policy who could make an impact and we had no unrealistic expectations of mass media attention in a crowded news space, our outreach was positively covered by major outlets in the countries concerned. While anchored in the core issue of terrorism, our engagements also spanned broader domains of strategic, technological, defence, trade and economic cooperation, serving to deepen our bonds with the five nations.In our consistent narrative across these capitals, we successfully explained the rationale for Operation Sindoor—including the cultural and symbolic resonances of the term itself—and garnered support for India's sovereign right to self-defence. Far from launching the opening salvo in a protracted war, on the night of May 6-7 India only struck—with exemplary precision and restraint—terror infrastructure in Pakistan-occupied Kashmir and Pakistani Punjab. The skirmishes that followed were solely a result of escalatory, disproportionate, and provocative Pakistani aggression, to which we retaliated targeting military sites and airbases in Pakistan while they attempted to bombard civilian clusters in India.In response, these nations strongly supported our fight against cross-border terrorism, acknowledged the severity of the threat it poses to our growth, and minutely discussed Pakistan's complicity in fomenting terror—manifest in the presence of Pakistani military officials and policemen in uniform at the funeral of notorious terrorists killed during Operation Sindoor.

Among the more singular achievements of my delegation was Colombia's substantive realignment of its official stance, which had condoled with Pakistan for supposed civilian casualties resulting from Operation Sindoor. Once we voiced our dismay and detailed the responsible measures taken, the Colombians retracted that statement, expressing unequivocal support for our position. This shift is helpful as Colombia is slated to become a non-permanent member of the UN Security Council in 2026.

US Companies Achieve Record-Breaking Office Leasing Volumes In India: Report

US Companies Achieve Record-Breaking Office Leasing Volumes In India: Report

New Delhi. US firms have achieved record-breaking office leasing volumes in India in the past couple of years, with 2024 marking the highest annual activity ever recorded, with global capability centres (GCCs) emerging as the primary growth driver, a report showed on Saturday.

The leasing volumes from 2017 through Q1 2025 shows US occupiers maintained a commanding 34.2 per cent share of India's office market during the 2022-Q1 2025 period, with 2024 recording the highest annual leasing numbers in absolute terms.In fact, Q1 2025 has also maintained the same quarterly average as the previous year, according to a JLL report. While US firms' market share has modestly declined since the pre-pandemic period, their absolute leasing volume has increased by approximately 16 per cent, indicating a strategic deepening of American corporate presence in India despite overall market diversification, the report mentioned."US-origin GCCs consistently represent over two-thirds of all leasing activity by American firms. This underscores India's central position in long-term business strategies for major US corporations," said Dr Samantak Das, Chief Economist and Head of Research and REIS, India, JLL.The predominance of GCCs within US firms' real estate

footprint demonstrates that American companies view India not merely as an outsourcing destination, but as a critical hub for innovation and strategic operations."Within the country, each city offers distinct advantages: Bengaluru has evolved into a multi-sectoral powerhouse beyond tech, Chennai boasts India's most balanced market across BFSI, e-commerce, and tech sectors, Mumbai serves as the financial nerve centre where US-based BFSI GCCs dominate, and Hyderabad has established itself as a specialised hub for BFSI, healthcare, and pharmaceutical operations," Das informed.Bengaluru has strengthened its position as the preferred destination, capturing 35 per cent of all US occupier leasing activity between 2022-Q1 2025. Hyderabad and Delhi-NCR have emerged as the second and third most attractive markets, followed by Chennai and Pune."India's combination of skilled talent at scale, supportive ecosystem, cost advantages, and growth-oriented policy environment continues to make it an increasingly attractive destination for US corporations looking to establish and expand their global capabilities," said Rahul Arora, Head-Office Leasing and Retail Services, Senior Managing Director (Karnataka, Kerala), India, JLL.

Apple Launches Free Repair Program for Select Mac Models in India:Check Eligibility And Details

New Delhi. Apple has started a free repair program for some 2023 Mac mini computers with the M2 chip that suddenly won't turn on. According to Apple, only a small number of these devices are affected—specifically, Mac minis made between June 16, 2024, and November 23, 2024.

If your Mac mini was made during this time and has the power issue, Apple wants you to check your serial number using their online tool to see if you qualify for the repair. If you do, you can get your Mac mini fixed for free at an Apple Store or an Apple Authorized Service Provider.This repair program is available worldwide, but Apple says you might only be able to get service in the country or region where you bought your Mac mini. So, if you bought your device in one country and moved to another, keep this in mind.The repair program doesn't extend your regular warranty. Instead, Apple will cover these repairs for three years from the date you bought the Mac mini, even if your normal warranty or AppleCare+ has already expired.

Apple hasn't said exactly what's causing the problem, but they usually start these programs when there's a common hardware issue. If your 2023 Mac mini stops turning on, check your serial number now—even if it's still working, this program could help you in the future.

Interest rates dipping: Know how to get lowest interest rates on loans

Kolkata. Reserve Bank of India has announced a bonanza for borrowers. Between February and June, the central bank has slashed Repo Rate, the key policy rate of the country, by as much as 100 basis points or 1 percentage point. A cut in the Repo Rate has direct impact on retail loan interest rates. Since personal loans is the most popular of all retail loans, interest rates on personal loans are dipping with multiple banks slashing their RLLR (Repo Linked Lending Rate).Repo Rate is the interest rate at which the central bank loans money to banks. As this interest rate comes down, banks have access to cheaper funds. To transmit the benefit to the common man and stay ahead in the competition, banks reduce lending rates. But how does a prospective borrower take maximum advantage of the declining interest rates? Let's have a look.How to ensure a favourable interest rate

High credit score: The first point is one has to main a high credit score. The credit score is done on a scale of 900 points and anything above 750 is considered very good for a favourable interest rate. All other factors remaining constant, an applicant with a higher score will get a lower interest rate. It signals how credit worthy the applicant is. One should monitor one's credit report regularly.Credit history: The credit history of an individual is very important. It contains whether there has been any default on payment of EMIs on past loans. Even delays in EMI payment impacts the credit score of an individual. So one should be careful not to delay or default in the payment of any EMI.Stability of job: Personal loans are unsecured loans. Therefore, the key security of the lender is future cash flows of the borrower which is possible only when the borrower has a stable job. A stable job means lower risk for the lender. Therefore, they always prefer a government employee or a public sector employee or the employee of reputable big companies to sanction loans.

Indian Railways testing ticket confirmation 24 hours before journey

New Delhi. Indian Railways is pilot testing a new mechanism that would help passengers to know about their status of ticket confirmation. The current system involves the passengers knowing about their train ticket confirmation 4 hours before the train departure. The proposed plan aims to let passengers know about their ticket confirmation 24 hours prior to the departure. Once implemented, it will allow passengers enough time to cancel, rebook, or explore other travel options.The pilot project is being run in the Bikaner division of Indian Railways in Rajasthan, as per the reports of the Ministry of Railways. Several trains are part of this project to check the practicality and feasibility of the 24-hour ticketing confirmation system. The system could be rolled out across the country as per the results of the pilot project test. The current project is part of Indian Railways's digital transformation drive.

IRCTC Ticket

Currently, Railways prepares two charts. A first chart is prepared four hours before the departure of the train, and the other one is prepared 30 minutes before the departure to accommodate last-minute changes.

The new project aims to change the existing system and strives to prepare a single final chart 24 hours in advance. However, real-time updates and perfect synchronization across the ticketing system will be the key factors for a pan-India successful rollout of the new system.Last-minute confirmation of tickets, i.e., PNR confirmation before 4 hours of departure, is the biggest issue that passengers are currently facing. Upon non-confirmation of tickets, the passengers are left with no choice for other scheduled trains, which leads to the imbalance in their traveling schedule. With an upcoming system, this issue would get resolved, and passengers would have an extra 24 hours to plan for any changes that might come upon non-confirmation of tickets.

Challenges

However, there lie some challenges in the implementation of the project, such as real-time synchronisation across multiple booking platforms, cancellation of tickets post-chart preparation, and last-minute booking and updates. The success of the project depends upon the tactical overcoming of these challenges.

RBI Likely To Further Ease Rates After A Brief Pause As Second Half Of FY26 May Need Additional Liquidity: Report

One of the major contributors to the decline in inflation was a further easing in food prices. Food inflation came down to 0.99 per cent in May from 1.78 per cent in April.

New Delhi: The Reserve Bank of India (RBI) is likely to ease interest rates further after a brief pause as the country may require additional liquidity injection in the second half of the financial year 2025-26 (H2 FY26), according to a report titled Ionic Wealth by Angel One.The RBI has already revised its inflation target for FY26 down to 3.7 per cent. For the first quarter of FY26, inflation is projected at 2.9 per cent, and the average inflation for April and May is currently tracking close to this estimate."We reiterate our view that a) the RBI will likely ease more after a brief pause, and b) more liquidity injection will be required in H2," the report noted. India's Consumer Price Index (CPI) inflation eased significantly to 2.82 per cent year-on-year in May 2025, down from 3.16 per cent in April 2025.

TRENDING NOWOn a month-on-month basis, inflation dropped by 35 basis points. Core inflation also declined slightly, coming in at 4.28 per cent compared to 4.36 per cent in the previous month. The report highlighted that today's inflation print provides the RBI more room to support economic

growth, a long-standing concern.

The report cautioned, however, that while domestic inflation drivers remain well managed, global factors like geopolitics and trade deals could still influence future inflation trends. "Some uncertainty lingers from imported inflation," the report added.

One of the major contributors to the decline in inflation was a further easing in food prices. Food inflation came down to 0.99 per cent in May from 1.78 per cent in April. A significant factor behind this moderation was the steep fall in vegetable prices, which dropped 13.7 per cent year-on-year. Pulses also witnessed a price decline of 8.2 per cent year-on-year, aided partly by a high base effect. Cereal prices, while still increasing, showed a slower rise of 4.7 per cent in May compared to 5.4 per cent in April.The report attributed this overall moderation in food prices to improved supply conditions, bolstered by a strong rabi harvest and favorable sowing conditions for the kharif season.

Workout Buddy: Apple Watch's New AI Fitness Coach Explained

New Delhi. Apple is about to make working out with your Apple Watch a lot more fun and inspiring. With the forthcoming watchOS 26 update, Apple is introducing a new feature called Workout Buddy. Here's a simple breakdown of what it does, how it works, and what you'll need to use it.Workout Buddy is a brand-new feature for Apple Watch users, launching later this year with watchOS 26. Think of it as your own personal fitness coach that talks to you during your workouts. Using Apple's latest AI technology, called Apple Intelligence, Workout Buddy gives you real-time encouragement and feedback based on your workout data and fitness history.For example, when you start a run, Workout Buddy might say something like, "Way to get out for your run this Wednesday morning." As you continue, it'll let you know when you hit milestones—like running a certain distance or picking up your pace. At the end, it will recap your stats, such as your heart rate and average speed, and congratulate you on your achievements.

How Does Workout Buddy Work?

Workout Buddy uses Apple Intelligence to analyze your workout stats—like heart rate, pace, distance, and your progress on Activity Rings. It then uses a text-to-speech AI model to create a voice that sounds like a real coach, inspired by voices from Apple's Fitness+ trainers. This voice gives you individualize feedback and motivation throughout your workout, making the experience feel more human and encouraging.All of this happens right on your device, so your data stays private and secure.What Workouts Does It Support?The Apple Watch and iPhone need to be near each other for Workout Buddy to work.

National Consumer Helpline Receives 5.41 Lakh Complaints, 23% From South: Nidhi Khare

New Delhi. The National Consumer Helpline, where people can register complaints and seek resolutions in an efficient and effective manner, has received 5.41 lakh complaints in 2025, said Nidhi Khare, Secretary of the Department of Consumer Affairs.

Addressing a regional workshop on consumer protection in Chennai, Khare said that 23 per cent of complaints are from the southern states, which reflects a strong regional engagement of the consumer portal.Of the "28.54 lakh cases filed nationally, only 5.62 lakh are pending, with southern states accounting for just 13.34 per cent," Khare said. Lauding the performance by southern states, she noted that Karnataka and Kerala Commissions disposed of more cases than filed, and several District Commissions achieved 100 per cent+ disposal rates over three consecutive years.In addition, over 11,900 cases were heard via Virtual Courts, Khare said. The workshop organised by the Department of Consumer Affairs aimed to reaffirm its commitment to strengthening consumer grievance redressal mechanisms and promoting institutional efficiency.Khare emphasised that the digital age requires adaptive legal and digital mechanisms and underlined the significance of initiatives like the Right to Repair Portal, e-Jagriti, and strengthening of National Consumer Helpline.

Further, Khare also highlighted the regulatory steps undertaken Central Consumer Protection Authority (CCPA) to curb dark patterns, fake reviews, and misleading ads. She called for continued innovation, collaboratio, and inclusive access to world-class grievance redressal, especially through mediation and virtual hearings.

Meanwhile, Justice Amreshwar Pratap Sahi, President of the National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC), highlighted the evolving scope of the Consumer Protection Act and the increasing shift of litigation from traditional courts to consumer commissions.

Good News For Borrowers! SBI Reduces Key Lending Rates Post RBI Repo Rate Cut—Check Revised Rates

New Delhi. In a major relief for borrowers, the State Bank of India (SBI) has slashed its key lending rates by up to 0.50 per cent, following the Reserve Bank of India's recent 50-basis-point cut in the repo rate. As the country's largest public sector lender, SBI's move is expected to bring down loan EMIs linked to benchmarks like the External Benchmark Rate (EBR), External Benchmark Lending Rate (EBLR), and Repo Linked Lending Rate (RLLR).Here's a quick and easy look at SBI's latest lending rates, including home loan interest rates, effective from June 15, 2025:As of June 14, 2025, SBI's Marginal Cost of Funds Based Lending Rate (MCLR) remains unchanged. The overnight and one-month MCLR stand at 8.20 per cent, the three-month rate is 8.55 per cent, and the six-month rate is 8.90 per cent. The one-year MCLR—which is often used for home loans—is at 9.00 per cent, while the two-year and three-year MCLR rates are 9.05 per cent and 9.10 per cent respectively.

SBI External Benchmark Rate (EBR) Update

Starting June 15, 2025, SBI has reduced its External Benchmark Rate (EBR) from 8.65% to 8.15%. The EBR is the reference rate used by banks to set interest rates on various floating-rate loans, such as home loans and MSME loans, as per RBI guidelines.According to SBI's website, the EBR is calculated by adding the current RBI repo rate (5.5 per cent) with the bank's fixed spread (2.65 per cent).

So, Final EBR = 5.5 per cent (Repo Rate) + 2.65 per cent (Spread) = 8.15 per cent

SBI Home Loan Interest Rates (Effective June 15, 2025)

SBI's home loan interest rates now range from 7.50 per cent to 8.45 per cent, depending on the borrower's CIBIL score. For the Home Loan Maxgain Overdraft facility, rates vary between 7.75 per cent and 8.70 per cent. If you're taking a top-up home loan, the interest rates range from 8 per cent to 10.50 per cent.//All SBI home loans are linked to the External Benchmark Lending Rate (EBLR), which currently stands at 8.15 per cent. Keep in mind that the final interest rate also depends on factors like your credit score, loan amount, and repayment period.

What is a CIBIL Score?

The CIBIL Score is a three-digit number that reflects your credit history and financial behavior. It ranges from 300 to 900, with a higher score indicating better creditworthiness. A score closer to 900 means you're more likely to be approved for loans at lower interest rates.

CIBIL (Credit Information Bureau India Limited) is one of four credit bureaus licensed by the Reserve Bank of India (RBI). The other three are Experian, Equifax, and Highmark. All of them collect and analyze your credit data to help lenders assess your loan eligibility.

SBI Home Loan Processing Fee: What You Should KnowSBI charges a processing fee of 0.35 per cent of your total home loan amount, plus applicable GST. However, this fee comes with limits—a minimum of Rs 2,000 and a maximum of Rs 10,000, excluding GST.

India's active Covid tally at 7,400, 9 deaths in 24 hours; big spike in Karnataka

India's active Covid tally reached 7,400 after Karnataka (132) recorded the highest one-day spike in cases, followed by Gujarat (79) and Kerala (54). Nine deaths were reported, with the majoritay of them in Maharashtra (4) and Kerala (3).

New Delhi. India reported 269 new Covid-19 cases, taking the active tally to 7,400, while nine deaths were reported in the past 24 hours, the Union Health Ministry said on Saturday.Karnataka recorded a single-day spike of 132 active cases, followed by Gujarat (79), Kerala (54) and Madhya Pradesh (20), data from the ministry showed.Other states like Sikkim (11), Tamil Nadu (12) and Haryana (9) also reported a slight uptick in active Covid cases in the past 24 hours. Arunachal Pradesh, Chandigarh, Ladakh, Mizoram, Punjab and West Bengal saw no Covid cases during this period, the Health Ministry said.

In the past 24 hours, four deaths were reported in Maharashtra, followed by three in Kerala and one each in Rajasthan and Tamil Nadu. The total fatalities as of January 1, 2025, stood at 87.As many as 991 people recovered in the past 24 hours, taking the total number of recoveries to 11,967 so far.Kerala remains the most affected state due to Covid, with the active tally so far at 2,109, followed by Gujarat (1,437) and Delhi (672). Other states having a high number of active Covid cases include Maharashtra (613), Karnataka (527), Uttar Pradesh (248), Tamil Nadu (232), Rajasthan (180) and Andhra Pradesh (102).On Friday, India reported 33 new active Covid cases in the last 24 hours, taking the tally to 7,154. Three deaths were reported, including two in Maharashtra and one in Madhya Pradesh.

CASES RISE IN MANIPUR AND RAJASTHAN

Meanwhile, Manipur on Friday reported five new active cases, including three in Imphal East and two in Imphal West, according to the state Directorate of Health Services.The cases were reported after 15 samples were tested - one from Imphal East, 13 from Imphal West and one from Tamenglong.

In Rajasthan, 30-35 Covid cases were being reported daily in the state, Director, Department of Medical, Health and Family Welfare, Dr Ravi Prakash Sharma, and one death was reported in the past 24 hours.

"We have adequate medicines. So far, one person has died. They had tuberculosis," he told news agency ANI.

Air India crash toll rises to 270, those injured at medical college hostel succumb

New Delhi. The death toll in Thursday's tragic Air India plane crash in Ahmedabad rose to 270 as those injured on the ground succumbed to their injuries, according to doctors.Flight AI 171, which was headed to London's Gatwick airport, crashed into the BJ Medical hostel and its canteen complex, minutes after taking off from the Ahmedabad airport on Thursday afternoon. The authorities had earlier pegged the death toll at 265.

The ill-fated flight carried 242 people - 230 passengers, two pilots and 10 crew members - and killed 241 of them and left just one survivor, a British national of Indian-origin, who is hospitalised.

"Around 270 bodies have been brought to the civil hospital so far from the plane crash site," President of Junior Doctors' Association of BJ Medical College, Dr Dhaval Gameti, told news agency PTI.The Ahmedabad Fire and Emergency Service (AFES) has recovered some human body parts as well as a corpse in the past 24 hours from the plane crash site in the Meghaninagar area, where the medical hostel is located.The process of identifying victims by matching the DNA samples is currently underway, and the bodies will be handed over to their relatives once the process is complete.

Additional Chief Fire Officer Jayesh Khadia said since the tail fin of the aircraft was stuck on top of the canteen's damaged building, cranes have been roped in to bring it down.

Ahmedabad plane crash: Families await DNA results, Mourn loss of loved ones

New Delhi. The Air India AI-171 crash in Ahmedabad has resulted in a tragic loss of life, and the community is grappling with grief and the complex process of identification and recovery. On the third day following the incident, the site of the crash presents a stark contrast to the previous day's intense activity. While the immediate emergency response has concluded, investigators from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) and other agencies remain on-site, meticulously examining the wreckage and gathering evidence to determine the cause of the accident.The scene, initially marked by chaos and emergency personnel from agencies including the Gujarat Police, NDRF, SDRF, and CISF, has now settled into a quieter, more methodical investigation. However, NDRF teams are scheduled to return later in the day for a final sweep of the area, ensuring no trace of evidence remains overlooked.

Meanwhile, at the civil hospital in Ahmedabad, a heartbreaking scene unfolds. Relatives of the victims, many having travelled from far distances, wait anxiously for the release of their loved ones' remains. The process of DNA sampling, initiated yesterday, continues at Kasauti Bhavan. This painstaking process, involving the collection of samples from both the recovered bodies and the victims' relatives, is essential for the accurate identification of all those who perished in the crash. The delays in releasing the bodies, even though the DNA sampling is expected to be concluded shortly, underscore the meticulousness required to ensure accurate identification and the emotional toll this takes on the bereaved.One family from Mumbai is reported to be among those mourning the loss of four family members. The hope is for the swift completion of the DNA matching process, allowing for the dignified return of the victims' remains to their families. The incident underscores the devastating impact of air accidents and the critical importance of thorough investigation and ongoing support for the bereaved in the aftermath.

Delhi to roll out new excise policy soon, aims to clean-up liquor trade

New Delhi. The BJP government in Delhi is set to introduce a new excise policy by the end of this month, aiming to overhaul the existing system regulating the sale and distribution of alcohol in the national capital. The government said that the new policy will make the liquor trade more transparent, modern, and accountable.

A committee headed by Chief Secretary Dharmendra Kumar has been constituted to draft the new policy and is expected to submit its recommendations to the Rekha Gupta-led government before the June 30 deadline.

The previous liquor policy, introduced under the Arvind Kejriwal-led AAP government in 2021, quickly became embroiled in controversy over alleged corruption and massive irregularities and was withdrawn just months after its rollout. The case led to the arrest of senior AAP leaders, including Kejriwal and Manish Sisodia, and is widely viewed as one of the key factors in the party's recent rout in the Assembly elections.

The new government is prioritising the creation of a robust and transparent excise framework by consulting other states to adopt best practices, according to the government. The key goals of the revamped policy include increasing revenue, curbing illegal liquor trade, ensuring consumer safety, and maintaining social harmony.Chief Minister Rekha Gupta has emphasised that social security will remain a top priority, and the policy will be crafted in a way that does not adversely affect vulnerable sections of society.

The proposed policy is also expected to introduce several reforms, including scientific testing of liquor quality, digitisation of the sales system, strict enforcement against illegal sales, and transparency in the licencing process.

Once the draft is submitted by the committee, the Delhi Cabinet will review and finalise the policy, with an aim to restore public trust and streamline excise operations in the capital, sources added.

Frustrated over wife's dowry charge, man serves tea wearing handcuffs at stall

New Delhi. In a protest against alleged dowry harassment and legal injustice, Rajasthan man, Krishna Kumar Dhakad opened a unique tea stall in Rajasthan's Anta town — right in front of his in-laws' locality. The name of the stall is equally eye-catching: "498A T Caf", referencing the section under which his wife filed a dowry harassment case against him. Dhakad serves tea while wearing handcuffs, a symbol of the pain and humiliation he says he has endured over the last three years

Banners and posters around his tea stall read slogans like "Jab tak nahi milta nyay, tab tak ubalti rahegi chai" (Until I get justice, the tea will keep boiling) and "Aao chai par karein charcha, 125 mein kitna dena padega kharcha", alluding to the IPC sections 498A and 125 under which cases have been filed against him.Dhakad married Meenakshi Malav in 2018. Together, they started a beekeeping business, empowering local women and gaining recognition. Former Madhya Pradesh Chief Minister Shivraj Singh Chouhan even inaugurated their honey enterprise in 2021 as a symbol of women's empowerment.

However, in 2022, Krishna's wife allegedly left their home without warning and returned to her parents' house. Months later, she filed cases against Krishna under Section 498A (dowry harassment) and Section 125 (maintenance) of the IPC."Everything has been destroyed because of a false case. For the last three years, I've been wandering from court to court in Anta for justice.

Aviation Minister chairs high-level meet on Air India crash, safety protocols

New Delhi. Civil Aviation Minister K Ram Mohan Naidu is chairing a high-level meeting Saturday on the investigation into the Air India Flight AI171 crash in Ahmedabad and to assess broader air safety protocols, sources said.This is the first meeting at the Ministry of Civil Aviation in Delhi following the disaster, which claimed 265 lives. Senior officials from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), the Airports Authority of India (AAI), and MoCA are said to be present for the huddle.According to sources, Naidu will review the progress of the probe into the plane crash, with discussions focusing on evidence recovered so far and the next steps in the investigation. Inputs and reports from various aviation and emergency response agencies will reportedly be sought.

Following the review meeting, the Minister is expected to hold a press conference at 1:30 p.m. to provide updates on the investigation.

All but one of the 242 passengers and crew on board the London-bound Boeing 787-8 Dreamliner perished when the plane went down moments after taking off from Ahmedabad airport, ploughing into a hostel building on the campus of BJ Medical College. The crash also claimed the lives of 24 people on the ground, including five medical students.The Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) said on Friday that the digital flight data recorder (DFDR), commonly referred to as the black box, was recovered from the rooftop of the hostel. The data will be pivotal in reconstructing the final moments of the flight and identifying the root cause of the tragedy.Prime Minister Narendra Modi visited the accident site and met with injured survivors at Ahmedabad Civil Hospital on Friday.As experts continue to speculate over the cause of the crash—from dual engine failure, flap malfunction, or bird strikes—aviation authorities have ramped up safety checks.The DGCA has ordered enhanced inspections of Air India's Boeing.

Paramilitary jawan killed in IED blast in Odisha's Rourkela

New Delhi.A Central Reserve Police Force (CRPF) personnel was martyred in an IED blast during an anti-Naxal operation in the dense Saranda forests of West Singhbhum on Saturday morning.The explosion occurred around 5:50 am in the K Baalang area near Rourkela, Odisha, along the Jharkhand-Odisha border. Troops of the 134 Battalion CRPF and Odisha's Special Operations Group (SOG) were conducting a joint operation when the blast was triggered by Naxals.

Assistant Sub-Inspector (ASI) Satyaban Kumar Singh (34), a native of Kushinagar, Uttar Pradesh, sustained critical injuries to his left leg in the blast. He was immediately evacuated to Apollo Hospital in Rourkela for treatment. However, despite efforts, Singh succumbed to his injuries and was declared dead.

The operation was part of a heightened combing exercise by security agencies following the recent looting of explosive materials by Naxals in the region. Security forces, including units from both Odisha and Jharkhand police, have intensified search operations to track down the insurgents.

As per sources, after the incident, the entire region has been put on high alert, and additional forces have been deployed to strengthen the search operation.Officials also indicated that "Naxals are closely monitoring the movement of security personnel and are actively plotting attacks." In response, combing operations have been ramped up in the forest areas to identify and dismantle Naxal hideouts and prevent further attacks.

The 11A mystery: Two plane crashes, two lives spared, one seat

Ruangsak Loychusak was left shaken when he discovered that the sole survivor of the Air India crash was in seat 11A -- the same seat he had occupied when his Thai Airways flight went down in 1998.

New Delhi. A Thai actor-singer who survived a deadly plane crash 27 years ago noticed an eerie coincidence when he got to know about the Air India disaster: the lone survivor was seated in the exact same seat as he was, 11A.On December 11, 1998, 20-year-old Ruangsak Loychusak cheated death when Thai Airways Flight TG261 stalled and plunged into a swamp while attempting to land in southern Thailand, killing 101 of the 146 people on board.

Ruangsak, now 47, said he had goosebumps after learning that Vishwash Kumar Ramesh, a British national who had a miraculous escape in the Air India Flight AI171 crash, was seated in 11A when the plane went down.

In a Facebook post written in Thai, Ruangsak said, "Survivor of a plane crash in India. He sat in the same seat as me. 11A."The Boeing Dreamliner crashed shortly after take-off from Ahmedabad airport on Thursday afternoon. Of the 242 people onboard, Ramesh was the only one to survive.

Ruangsak noted he no longer had his boarding pass from 1998, but said newspaper articles had documented his seat number and survival.

After defying death, the actor has, on several occasions, openly addressed the trauma and survivor's guilt he carried for years. According to reports, he did not fly again for a decade.

Ruangsak described his life since the crash as a "second life", and offered his condolences to the families affected by the Air India disaster.The miracle on seat 11A has stunned the public and sparked global fascination. Seated by the emergency exit, Ramesh was thrown from the aircraft on impact and, despite multiple injuries, managed to walk away from the wreckage and into a waiting ambulance.Speaking from the hospital, Ramesh said he doesn't know how he survived when everyone else on the doomed plane perished.

For some time, I thought I was also going to die. But when I opened my eyes, I realised I was alive and I tried to unbuckle myself from the seat and escape from where I could," he told DD News.The fascination with Ramesh's narrow escape has led to a spike in interest for emergency exit seats on commercial flights, and seat 11A in particular. Social media is buzzing with posts by people looking to book these seats for their next flight.

NEWS BOX

Israel's military apologises for incorrect depiction of India map

JERUSALEM. The Israeli military on Saturday apologised for posting a map that incorrectly depicted Jammu and Kashmir as part of Pakistan after objections from Indian social media users, clarifying that the image "fails to precisely depict borders".The map was posted by the Israeli Defence Forces (IDF) on their X handle on Friday to show the range of Iranian missiles.The post quickly drew criticism from social media users in India.

"Now you understand why India remains neutral. In diplomacy, no one's really your friend," one user commented on X.In response, the IDF admitted that the map "fails to precisely depict borders".

"This post is an illustration of the region. This map fails to precisely depict borders. We apologize for any offense caused by this image," IDF said on X.Iran is a global threat. Israel is not the end goal; it's only the beginning. We had no other choice but to act," the IDF earlier posted along with the incorrect map, justifying the launch of Operation Rising Lion against Iran.The Israeli Air Force also posted a short video carrying a similar map, showing the range of the Iranian missiles.In response to the controversy, Israeli Ambassador to India Reuven Azar on X described the map as "bad, unintended" infographics.

He said he had already asked to get the map removed/fixed.India has consistently maintained that Jammu and Kashmir, along with Ladakh, is an integral part of the country.

US helps Israel shoot down barrage of Iranian missiles

WASHINGTON. American air defense systems and a Navy destroyer helped Israel shoot down incoming ballistic missiles Friday that Tehran launched in response to Israeli strikes on Iran's nuclear facilities and top military leaders, U.S. officials said.

The U.S. has both ground-based Patriot missile defense systems and Terminal High Altitude Air Defense systems in the Middle East capable of intercepting ballistic missiles, which Iran fired in multiple barrages in retaliation for Israel's initial attack.A Navy destroyer in the eastern Mediterranean Sea also shot down Iranian missiles heading toward Israel, one official said.The United States also is shifting military resources, including ships, in the Middle East in response to the strikes.The Navy directed the destroyer USS Thomas Hudner, which is capable of defending against ballistic missiles, to begin sailing from the western Mediterranean Sea toward the eastern Mediterranean and has directed a second destroyer to begin moving forward so it can be available if requested by the White House, U.S. officials said.

Marines take over some security in LA while cities across US prep for 'No Kings' rallies

LOS ANGELES. After a week of protests over federal immigration raids, about 200 Marines moved into Los Angeles on Friday to guard a federal building in the city while communities across the country prepped for what's anticipated to be a nationwide wave of large-scale demonstrations against President Donald Trump's polices this weekend.

The Marine troops wearing combat gear and carrying rifles took over some posts from National Guard members who were deployed to the city after the protests erupted last week. Those protests sparked dozens more over several days around the country, with some leading to clashes with police and hundreds of arrests.

On Friday, Marines started to replace Guard members protecting the federal building west of downtown, so the Guard soldiers can be assigned to protect law enforcement officers on raids, the commander in charge of 4,700 troops deployed to the LA protests said.The Marines moved into Los Angeles before Saturday's planned "No Kings" demonstrations

nationally against Trump's policies, which will also happen the same day as a military parade in Washington, D.C.

The Marines' arrival also came a day after the 9th U.S. Circuit Court of Appeals temporarily blocked a federal judge's order that had directed Trump to return control of Guard troops to California. The judge had ruled the Guard deployment was illegal, violated the Tenth Amendment, which defines the power between state and federal governments, and exceeded Trump's statutory authority. The judge did not rule on the presence of the Marines.Military missionSome 2,000 National Guard troops were deployed to Los Angeles this week. Hundreds have provided protection to immigration agents making arrests. Another 2,000 Guard members were notified of deployment earlier this week.Maj. Gen. Scott Sherman, the commander of Task Force 51 who is overseeing the 4,700 combined troops, said none of the military troops will be detaining anyone, though the Marines temporarily detained a man Friday afternoon who had walked onto the property and did not immediately hear their commands to stop. He was later released without charges.Roughly 500 National Guard members have been used to provide security on immigration raids after undergoing expanded instruction, legal training and rehearsals with the agents doing the enforcement before they go on those missions.

Iran strikes Israel with deadly missile barrage after nuclear site attacks; 3 killed, dozens hurt

Israel's missile and drone attack kills 78, injures over 320 in Iran; Tehran's retaliation leaves 3 dead, dozens wounded in Israel, raising fears of all-out war.

TEHRAN. Iran launched retaliatory missile strikes on Israel early Saturday, killing at least three people and injuring dozens, following a series of intense Israeli attacks targeting Iran's nuclear facilities and military assets, according to the Associated Press.Israel's assault used warplanes, as well as drones smuggled into the country in advance, to assault key facilities and kill top generals and scientists. Iran's U.N. ambassador said 78 people were killed and more than 320 wounded in the attacks.

Israel asserted the barrage was necessary before Iran got any closer to building an atomic weapon, although experts and the U.S. government have assessed that Tehran was not actively working on such a weapon before the strikes.Iran retaliated by launching drones and later firing waves of ballistic missiles at Israel, where explosions lit the night skies over Jerusalem and Tel Aviv and shook the buildings below. The Israeli military urged civilians, to head to shelter for hours.

The Israeli military said dozens of missiles -- some intercepted -- had been fired in the latest salvos from Iran.Smoke was billowing above skyscrapers in downtown Tel Aviv, an AFP journalist reported, as Iran's Revolutionary Guard said it had attacked dozens of targets in Israel.Israel's firefighting service said its teams were responding to the aftermath of Iranian missile strikes, including working to rescue people trapped in a high-rise building.Iran's Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei had vowed on Friday that those behind the Israeli strikes would not "escape safely" from their "great crime."

A hospital in Tel Aviv treated seven people after the second barrage, with one woman killed. Later, a missile struck Rishon Lezion, killing two and injuring 19, according to Israeli officials. Four homes were severely damaged, says the

Associated Press.Resident Chen Gabizon told news agency AFP that he ran to an underground shelter after receiving an alert notification."After a few minutes, we just heard a very big explosion, everything was shaking, smoke, dust, everything was all over the place," he said.In Iran's capital Tehran early Saturday, fire and heavy smoke billowed from Mehrabad airport, an AFP journalist said, as local media reported a blast in the area.Iran said earlier it had activated its air-defence system and explosions could be heard across the capital.

Dozens of people took to the streets of Tehran overnight to cheer their country's military response, with some waving national flags and chanting anti-Israel slogans.Iran's ambassador to the UN said Friday that 78 people had been killed and 320 wounded in the first wave of strikes by Israel.After a day of back-and-forth bombardments, UN Secretary-General Antonio Guterres called for an immediate ceasefire between the two nations. "Enough escalation. Time to stop. Peace and diplomacy must prevail," he wrote on X late Friday.In a sharp response, Iran—without directly naming the UN chief—dismissed the appeal, stating, "If you were silent during two years of Palestinian massacres and last night's attack on Iran, don't call for restraint now. Stay quiet."

Two Chinese scientists will stay in jail while accused of bringing biological material to US

Yunqing Jian and Chengxuan Han said in separate court appearances in Detroit that they would not challenge the government's request to keep them locked up while their cases move forward.

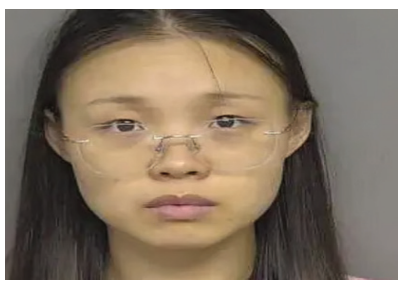

DETROIT. Two Chinese scientists accused of smuggling or shipping biological material into the United States for use at the University of Michigan will remain in custody after waiving their right to a hearing Friday in federal court.Yunqing Jian and Chengxuan Han said in separate court appearances in Detroit that they would not challenge the government's request to keep them locked up while their cases move forward."This is a constantly evolving situation involving a large number of factors," Han's attorney, Sara Garber, told a judge. She didn't elaborate and later declined to comment.Han was arrested Sunday at Detroit Metropolitan Airport after arriving on a flight from China, where she is pursuing an advanced degree at Huazhong University of Science and Technology in Wuhan. She planned to spend a year completing a project at the University of Michigan lab, and is accused of shipping biological material months ago to laboratory staff.It was intercepted by authorities. The FBI, in a court filing, said the material is related to worms and lacked a government permit. Experts told The Associated Press it didn't appear to be dangerous.Jian's case is different. She is charged with conspiring with her boyfriend, another scientist from China, to bring a toxic fungus into the US Fusarium graminearum can attack wheat, barley, maize and rice.The boyfriend, Zunyong Liu, was turned away at the Detroit airport last July and sent back to China after authorities found red plant material in his backpack.Jian, who worked at the university lab, was arrested June 2. Messages between Jian and Liu in 2024 suggest that Jian was already tending to Fusarium graminearum at the lab before Liu was caught at the airport, the FBI said.Jian's attorneys declined to comment Friday.Federal authorities so far have not alleged that the scientists had a plan to unleash the fungus somewhere. Fusarium graminearum is already prevalent in the US — particularly in the east and Upper Midwest — and scientists have been studying it for decades. Nicknamed "vomitoxin" because it's most known for causing livestock to throw up, it can also cause diarrhea, abdominal pain, headache and fever in animals and people.

Researchers often bring foreign plants, animals and even strains of fungi to the US to study them, but they must file certain permits before moving anything across state or national borders.The university has not been accused of misconduct. It said it has received no money from the Chinese government related to the work of the three scientists.

Trump administration gives personal data of immigrant Medicaid enrollees to deportation officials

An internal memo and emails obtained by The Associated Press show that Medicaid officials unsuccessfully sought to block the data transfer, citing legal and ethical concerns.

WASHINGTON. President Donald Trump's administration this week provided deportation officials with personal data including the immigration status on millions of Medicaid enrollees, a move that could make it easier to locate people as part of his sweeping immigration crackdown.An internal memo and emails obtained by The Associated Press show that Medicaid officials unsuccessfully sought to block the data transfer, citing legal and ethical concerns.Nevertheless, two top advisers to Health Secretary Robert F. Kennedy Jr. ordered the dataset handed over to the Department of Homeland Security, the emails show. Officials at the Centers for Medicare and Medicaid Services were given just 54 minutes on Tuesday to comply with the directive.

The dataset includes the information of people living in California, Illinois, Washington state and Washington, D.C., all of which allow non-U. S. citizens to enroll in Medicaid programs that pay for their expenses using only state taxpayer dollars. CMS transferred the information just as the Trump administration was ramping up its enforcement efforts in Southern California.

Indian-Origin Public Service Heroes On King Charles's Birthday Honours List

London. Public service heroes, healthcare and technology experts, artistes and educationists are among over 30 professionals of Indian heritage to be recognised in King Charles III's Birthday Honours List 2025.

Prem Babu Goyal from the City of London Corporation for public service contributions, Tanuja Randery of Amazon Web Services for services to business and tech sector and Professor Jagtar Singh from the National Health Service (NHS) in Coventry and Warwickshire for services to the NHS lead the charge as Commanders of the Order of the British Empire (CBE).

Former England football captain David Beckham receives a Knighthood for services to sport and charity in the annual list released on Friday night to coincide with the 76-year-old British monarch's official birthday celebrations this weekend."This year's Birthday Honours List is a powerful reminder of the extraordinary dedication, compassion and service that exists in every corner of our country," said British Prime Minister Keir Starmer."From community champions to cultural icons, each recipient reflects the very best of Britain. I extend my heartfelt congratulations and gratitude to them all," he said.The list, released annually by the UK Cabinet Office in the name of the monarch, includes Officers of the Order of the British Empire (OBEs) honours for Sunita Arora of the Arora Charitable Foundation for services to the charitable sector and philanthropy, Nurse Avinderjit Bhatia for services to the NHS and nursing, and Rita Hirani for services to women, the LGBTQ community and victims of domestic abuse.Pooja Kanda, who has been campaigning against knife crime since losing her son Ronan to a fatal stabbing, has also been conferred with an OBE for services to the prevention of knife crime, along with Dr Kulin Kantilal Patel for services to animal health and international trade, Vaibhav Puri for services to rail safety and standards, Professor Pankaj Sharma for services to research in strokes in South Asian people, Ranjit Singh for services to further education, Dr Parag Singhal for services to health education and black and minority ethnic doctors, and Captain Jagjit Singh Sohal, Chair of the World War I Sikh Memorial Fund, for services to the commemoration of Commonwealth soldiers who served Great Britain.Indian-origin professionals receiving Members of the Order of the British Empire (MBE) in the honours list include Indian classical musician Surdarshan Singh Chana for services to music and Sikh culture and artiste Sonia Sabri for services to dance.

Dr Richa Sinha, Chair of the Scottish Hindu Foundation, receives an MBE for services to the Hindu community in Scotland and to tackling Hinduphobia and Raman Kant Prinja, Professor of Astrophysics, Department of Physics and Astronomy, University College London, has been recognised for services to academia and education.

Minerals and a strategic location: Why Greenland is coveted

COPENHAGEN. Greenland, which President Donald Trump wants to annex for US national and international security needs, is an ice-covered self-governing Danish territory in the Arctic.On Sunday, French President Emmanuel Macron will become the first foreign head of state to visit the strategically important 2.1 million square kilometer (810,000 square mile) island, which holds vast untapped mineral resources, since Trump's annexation threat.

Closer to New York

Greenland, which has a population of about 57,000 people, is an autonomous territory but Copenhagen controls its law enforcement, monetary policy, foreign affairs, defence and security policy.

However, with its capital closer to New York than Copenhagen, Greenland is in the United States' "zone of interest", historian Astrid Andersen, of the Danish Institute of International Studies, told AFP.During World War II, when Denmark was occupied by Germany "the US took over Greenland. In a sense they have never left," she explained.The United States has one active military base there. The Pituffik space base was used during the Cold War as a warning post for possible Soviet attacks and is still an essential part of the US missile defence

infrastructure.Greenland's location puts it on the shortest route for missiles between Russia and the United States.Washington has "legitimate complaints about the lack of surveillance of the airspace and submarine areas east of Greenland," said Ulrik Pram Gad, also of the Danish Institute of International Studies.Also its strategic position for when new shipping lanes are freed up due to melting ice adds importance, but Pram Gad believes Trump is using "exaggerated terms".

Trump in 2019, during his first term in office, floated the idea of a US purchase of Greenland, but that was rebuffed.

Potenial mining sector

Since 2009, Greenlanders have been in charge of deciding how their natural resources are used.Access to Greenland's resources is considered crucial by the United States, which signed a cooperation memorandum for the sector in 2019. The EU followed four years later with its own agreement.Greenland's soil is well-explored, which has enabled a detailed map of resources to be drawn up.The EU has identified 25 of the 34 minerals on its official list of critical raw materials in Greenland, including rare earths."As the demand for minerals is rising, there is a need to go and look for untapped resources," said Ditte Brasso Sorensen, an analyst at Think Tank Europa."Actors are more and more aware they need to diversify their sources, especially when it comes to the dependence to China on rare earth elements."Adding to this is the fear that China will get its hands on the mineral resources, she explained.Yet mining in Greenland is currently largely non-existent.There are only two mines on the island -- one for rubies, which is looking for new investors, and the other for anorthosite, a rock containing titanium.

Financially dependent

Economically, the territory, which is seeking to move away from Danish rule, depends on annual subsidies from Copenhagen -- which account for a fifth of its GDP -- and on fishing.The population's hopes are partly pinned on the opening of an international airport in the capital, Nuuk, in November to help develop tourism in the Arctic region.Infrastructure is also a key issue for the development of the mining industry.

NEWS BOX

It's important to know when to switch on: Prasidh Krishna

BECKENHAM. India pacer Prasidh Krishna says he has learned to "switch on" according to the team's requirements and is eager to carry his impressive IPL form into the upcoming tour of England.

Having returned from a long injury layoff, Prasidh showcased excellent form in IPL 2025, emerging as the league's highest wicket-taker and earning the Purple Cap.

He expressed enthusiasm about the five-match Test series against England, starting at Leeds on 20 June, as the Indian squad participates in an intra-squad match here."(You have to) make sure you are focused when your chance is coming. But you can't really be focused for a long time, especially when you are sitting outside, so you make sure you have a bit of fun," Prasidh told BCCI TV.

"When you know, you can sense the situation; you make sure you support your team at

particular moments, making sure you are switched on because anything can happen in the game that's the beauty of cricket itself.

"I think all of us are experienced enough to know when to switch on and switch off."

Returning reinvigorated after a frustrating period on the sidelines due to recurrent injuries that required surgery, Prasidh said the match practice in the UK ahead of the Test series will greatly benefit the team.

"It's really important for all of us to get this game time… because some of them are coming from the 'A' game. Getting time on the field is really important. That's what happened today as well."Looks like a good, nice, hard pitch. Bowlers have been in the game throughout, bowling some really good spells. Batsmen also showed character. It's always good when you are competing against each other."All of us are excited and enjoying what's happening. We are all getting together after a while, sharing memories and cricket experiences from different teams. We just try to keep the environment light," he added after the opening day's play on Friday.According to the BCCI update, skipper Shubman Gill and senior player KL Rahul scored half-centuries, while Shardul Thakur claimed wickets on the first day of the intra-squad match.

Trent Boult's bizarre run-out in MLC goes viral, Stuart Broad can't stop watching

New Delhi. A couple of run-outs in the second match of the 2025 Major League Cricket (MLC) season between MI New York and Texas Super Kings in California had the feel of a village cricket game somewhere in Europe. The dismissals of Trent Boult and Kieron Pollard on Friday, June 13, hardly reflected the standards of professional cricket.

Chasing 186, MI New York lost three wickets to run-outs in the space of just two overs.

MI were cruising towards the target when Kieron Pollard took on Daryl Mitchell, smashing the New Zealand all-rounder for three fours and a six in the first four deliveries of the 17th over. However, the former West Indies captain was run out on the fifth delivery.Pollard attempted to heave a full-length delivery but failed to make decent contact. The ball deflected off his pads into a vacant area inside the 30-yard circle on the

leg-side. He set off for a single, strolling casually towards the non-striker's end. Daryl Mitchell fielded the ball off his own bowling and produced a direct hit at the non-striker's stumps. Only halfway through the run did Pollard realise Mitchell was on to the ball quickly. By the time he picked up his pace, it was too late — he was run out for 32 off 16 balls.On the very next delivery, MI New York lost Monank Patel for 62 (44), collapsing from 141 for 4 to 159 for 6 within the space of an over.

THE TRENT BOULT RUN-OUT: VIRAL VIDEO

The shambolic running between the wickets reached a crescendo when Trent Boult was run out in the 19th over.The New Zealand fast bowler gifted his wicket away after a truly bizarre mix-up with Tajinder Dhillon.

Tajinder played a length delivery from Adam Milne down towards the third man. Mohammad Mohsin, patrolling the boundary, made a sharp stop. Boult, who had made it to the striker's end, called for a second run.

SA vs AUS, WTC Final Day 4: Rain stands between South Africa and ICC glory

- Rain threat looms large over WTC Final at Lord's
- Bavuma, Markram stand firm in historic run-chase battle
- South Africa need 69 runs for long-awaited ICC title

New Delhi. Weather reports of potential rain on June 14 have sparked concerns for the ongoing World Test Championship Final at Lord's — particularly for South Africa, who stand tantalisingly close to clinching their long-awaited ICC trophy. With just 69 runs separating the Proteas from history, inclement weather may become their biggest obstacle on a day that could otherwise deliver redemption for a cricketing nation long deprived of global honours.According to AccuWeather, the morning of Day 4 is expected to be warm with "sunny periods and a passing shower."

There is a 55 percent chance of precipitation during the first session, coupled with 60 percent cloud cover and wind gusts reaching up to 48 km/h. A yellow warning for thunderstorms has also been issued between 7 PM Friday and 6 AM Saturday. Earlier conditions on June 13 were dry and favourable for play, but Day 4 may not promise the same consistency — and that could pose problems for the South Africans.

The Proteas ended Day 3 on 213 for 2 in pursuit of 282, powered by a gritty and gutsy 143-run stand between Aiden Markram and skipper Temba Bavuma. After Australia's tail-end duo of Mitchell Starc and Josh Hazlewood dragged their team to a formidable total with a record 10th-wicket stand, it seemed the Aussies had seized control. But South Africa struck back.Markram's defiant century and Bavuma's pain-defying half-century — after suffering an apparent hamstring pull — turned the tide at Lord's. The captain, dropped on 2 and visibly hobbling, pushed through adversity to steady his side. Markram, meanwhile, silenced critics after his first-innings duck, taking the attack to Australia's world-class bowling lineup of Starc, Cummins, Hazlewood, and Lyon.

South Africa need 69 runs on Day 4, with eight wickets in hand and history firmly within reach. But the looming threat of rain now hangs over Lord's like a cloud over their dreams — quite literally. If they are to end their ICC title drought, they'll need the skies to hold up just a little longer.

TNPL 2025: A Essakimuthu, iDreamer and cricketer

Pacer from Kalakudi, Tirunelveli has been through a lot of hardships in his journey to the TNPL

CHENNAI. iDream Tiruppur Tamizhans pacer A Esakkimuthu remembers the first time he held a cricket ball in his hand. It was the U16 selection trials in Tirunelveli and Esakkimuthu, a class tenth student from Kalakudi, a small village tucked away from the hassles of Tirunelveli city, who had watched T Natarajan get picked in the IPL auction the year before, wondering if he could dream of something similar. "Will it happen to me one day?" he dreamt.

He had asked his father, who runs a school van service from the neighbourhood villages to Tirunelveli and Palayamkottai, for a white t-shirt and pants. He borrowed "bata shoes" from a school-going kid in Kalakudi before going to the trials. He had only played with a "stumper" ball and had never touched a cricket ball before. In the trials, he somehow hit a few big shots before beating the bat with his pace and got selected.

However, considering the financial situation at home and the fact that Esakki was studying well, he could not continue. "My

dad had met with an accident. The situation was not good. Dad and two brothers were all working. In all this, I could not even think of cricket. You need money to play and train. So I understood the situation and didn't go," he recalls.It lit up a fury of fire within. "Veri (fire of passion)" is the word he keeps repeating. So much so that when he got a chance to play for Urumu Dhanalakshmi Arts College, Tiruchy, the Bachelor of Social Work student gave his everything. Esakkimuthu impressed an opposition batter, Yuvaraj from Bishop Heber College, who would take him under his wings.

Esakkimuthu shifted colleges for his PG (Library Science) and continued to train with Yuvaraj. He was introduced to a senior pacer Senthil Nathan, Veeraraghavan Ramachandran of Alchemy Academy and trainer Michael Anton.Every cricketing expense of his was taken care of, and Esakkimuthu did what he was meant to do. Run in fast and beat the batters, running through batting line-ups. That "veri" became "pasi (hunger)", and cricket was his only food.

"There have been nights when I did not sleep, when I cried. I have not cried for anything in my family or anything else. When it comes to cricket, I could not control it. I wanted it so bad," he recalls the days of not getting a chance to play for Trichy in the SS Rajan Trophy.

From Kalakudi to TNPL's bright lights via rejections and heartbreaks — the Esakkimuthu story

CHENNAI. "If there was one bouncer that changed my life, that was it," recalls iDreams Tiruppur pacer A Esakkimuthu of a contest that would end up becoming the turning point of his cricketing journey. A Bachelor of Social Work student with Urumu Dhanalakshmi Arts College, Esakkimuthu was going up against a senior batter from Bishop Heber College, Yuvaraj in a Tiruchy district league game.

"He was batting well, taking on other bowlers, but I troubled him. After the match, he called me and spoke with me. 'Come with me, I will take care of your career,' he promised," he remembers. For Esakkimuthu, it was a huge leap of faith. Hailing from Kalakudi, a small village in Tirunelveli district, all Esakkimuthu had dreamt of was playing cricket. Right from the time he, a class nine student, sat in front of a television and watched franchises fight over T Natarajan in an IPL auction. He wondered if he would ever be able to replicate it.At the time, all he knew was rubber ball cricket.

When he went to an U-16 selection trial in Tirunelveli and got selected, Esakkimuthu could not continue because of his family's situation. Two years later, he was not picked in the U19 trials. Cricket became a 'veri' (a burning fire within) for him.That is how he used to play no matter what the match was or where he was playing. Off the field, he is this quiet, soft-spoken shy youngster from a small village. On the cricket field and give him a ball in hand, Esakkimuthu will run in with all the fury he could ignite. He had watched a young R Sai Kishore go up against R Ashwin during the 2019 Tamil Nadu Premier League. He felt that is the passion you need to succeed on the field; that is the "pasi (hunger) you need to get to the highest level.

WTC finals to stay in England until 2031 despite Rohit, Cummins' calls: Report

The England and Wales Cricket Board is all set to host the next three World Test Championship finals through 2031. The ICC is likely to give the nod at its annual conference in July, according to English media reports.

New Delhi. The England and Wales Cricket Board (ECB) is set to finalise a deal that will allow it to host the finals of the World Test Championship (WTC) for the next three editions, running through to 2031. According to The Telegraph, the ICC is expected to confirm England's hosting rights at its annual conference scheduled for

July.The ECB has reportedly already received verbal confirmation from the ICC, the report added. India had expressed interest in hosting the WTC final, and the matter was discussed at several recent ICC meetings. However, England—renowned for its ability to draw sizeable crowds even for neutral Test matches—has emerged as the preferred choice.England has already hosted the first three WTC finals, including the ongoing 2025 final between South Africa and Australia at Lord's, London. The inaugural final, contested between India and New Zealand, took place in Southampton in 2021 under Covid-19 restrictions.The 2023 final between India and Australia was held at The Oval in London. The current edition at Lord's has seen full houses over the first three days, underlining the fixture's growing popularity and significance.

With this new agreement, England is poised to host the first six finals of the WTC.

The timing of the final—traditionally staged in June—has been a factor in England's favour. The early English summer provides an ideal window within cricket's crowded global calendar to stage the high-profile match.

WHY NOT ANYWHERE ELSE?

However, the venue and scheduling have not been without criticism. In 2023, former India captain Rohit Sharma questioned both the location and the timing of the final, calling for more flexibility.

MCC outlaws 'bunny hop' boundary catches, new rule to come into effect this month

Spectacular catches like the ones pulled off by Michael Neser during BBL 2023 and Tom Banton, with Matt Renshaw's help in 2020, will not be considered legal once the updated rule comes into force.

LONDON. Boundary catches involving 'bunny hops', or multiple airborne touches outside the rope, have been deemed illegal by the Marylebone Cricket Club, with the new ruling set to be integrated into ICC's playing conditions this month and the MCC's laws from October next year.Spectacular catches like the ones pulled off by Michael Neser during BBL 2023 and Tom Banton, with Matt Renshaw's help in 2020, will not be considered legal once the updated rule comes into force.According to an MCC note circulated to member boards by the ICC, while the existing law "led to some spectacular" fielding efforts, it also allowed "some unusual-looking catches that, to the majority of the cricketing public, feel unfair".Describing Neser's catch for Brisbane Heat to dismiss Jordan Silk, the MCC said the fielder "bunny hopped" before completing the catch inside the boundary.

While the act complied with the law at the time, the note added it "felt like the fielder had - quite literally - gone too far".Both instances triggered widespread debate, prompting the ICC and MCC to review Law 19.5.2, which was last updated in 2010.As part of its revision, the MCC clarified that any fielder making a second contact with the ball after jumping from beyond the boundary must land inside the field of play, or else a boundary will be awarded."MCC has

devised a new wording where the 'bunny hop' wholly beyond the boundary is removed, but these catches where the fielder pushes the ball up from inside the boundary, steps outside and then dives back in to catch the ball, are permitted,

" the note said."Our solution has been to limit any fielder who has gone outside the boundary to touching the ball while airborne only once, and then, having done so, to be wholly grounded within the boundary for the rest of the duration of that delivery.

"The rule will also apply to relay catches. If a fielder parries the ball while airborne outside the boundary and fails to return inside the field before the catch is completed even by a teammate ? it will be ruled a boundary."Even if the ball is parried - to another fielder or inside the field of play - if the fielder lands outside the boundary, or subsequently steps outside, then a boundary will be scored."For clarity, that means the fielder gets one chance, and one chance only, to touch the ball having jumped from outside the boundary.After that point, the boundary becomes a hard line - and any time they touch the ground in that delivery, whatever else happens, they must be inside.

Disha Patani

Enjoys Birthday Lunch With Tiger Shroff's Sister Krishna And Mouni Roy

Disha Patani is celebrating her 33rd birthday today, and heartfelt wishes have been pouring in for the Bollywood actress across social media. To celebrate the special day, she spent time with her close friends—Tiger Shroff's sister Krishna Shroff and Mouni Roy—and was spotted stepping out after a fun-filled lunch with them. Disha and Tiger were rumoured to be dating for quite some time, however, they reportedly parted ways in 2022. Despite their breakup, Disha continues to maintain a strong and friendly bond with Tiger's sister, Krishna.

A video shared by paparazzo Viral Bhayani shows birthday girl Disha Patani stepping out with her besties Krishna Shroff and Mouni Roy after enjoying lunch at an eatery in Mumbai. Disha looked absolutely breathtaking in a bright pink floral printed floor-length dress, which featured a plunging neckline. She radiated joy, and was seen happily walking out with her friends. Meanwhile, Mouni donned a pink and white checkered dress, while Krishna looked pretty in a white bralette paired with baggy jeans. Check out the video below!

Disha, Mouni and Krishna Shroff are often seen hanging out together on several occasions. In December last year, the trio was seen enjoying a beach holiday, and pictures from their vacay went viral on social media.

Tiger Shroff's Mother Sends Birthday Wishes To Disha Patani

Meanwhile, earlier today, Tiger Shroff's mother Ayesha Shroff took to her Instagram and sent heartfelt wishes to Disha Patani. She wrote, "Happppppppiest birthday deeeeeeeshu!! wish you the besssst year ahead!! @dishapatani. The birthday girl was quick to acknowledge the post and replied with a sweet message, "Love you so much my aunty," followed by red heart emojis.

Disha Patani And Krishna Shroff's Friendship

Disha and Krishna's friendship has been a topic of interest, especially given Disha's rumoured past relationship with Tiger Shroff. Last year, during an interaction with Siddharth Kannan, Krishna Shroff opened up about her friendship with Disha. "She is the person who would be there for me no matter what the situation. She has no judgmental bone in her body, so I have opened up about all aspects of my life to her. She is that friend who will be there for me and vice versa," she said.

RJ Mahvash's

'SisCode' Post On Loyalty Has Yuzvendra Chahal's Attention

RJ Mahvash is back with another relatable video. In her latest clip, she has given her opinion on relationships and loyalty. Her bold take grabbed attention from many, including Indian cricketer Yuzvendra Chahal, who is rumoured to be dating Mahvash.In the Instagram video, RJ Mahvash shared what she expects from her partner in a relationship. She explained that she actually wants other girls, especially the most attractive ones to try and flirt with her boyfriend. She added that is how she will know if her man is truly loyal or not."I don't need him. Because if you can take him that easily, he is for the streets babe," she said.

Mahvash made it clear that she has no issue with the other women at all. She said those girls don't matter to her because they are not someone close or important in her life. What really matters is how her own partner behaves in that situation.She further explained that if another woman tries very hard, even going to extreme lengths to get his attention, her partner should be the kind of person who ignores all of that and chooses to stay loyal to her.

"Loyalty is not about a world where there are no temptations but it is about how you manage to respond to it," the radio jockey added. Mahvash also added that women should follow the same principle as well.In her caption, she wrote, "SisCode → Na dusre ka bande dekhte, na apna dekhne dete. Bachpan se SisCode clear h bhai!"

Yuzvendra Chahal reacted to her post by dropping laughing emojis.Rumours about Yuzvendra and Mahvash first began when the two were seen together after reports of Chahal's separation from his ex-wife, Dhanashree Verma. Though Mahvash had earlier denied the rumours, people started speculating about her relationship with Chahal after they were spotted watching a Champions Trophy match together in Dubai. She was also seen cheering for the Punjab Kings bowler during his Indian Premier League (IPL) matches.

The two continue to describe their bond as that of "just friends" but Mahvash recently spoke about Chahal during an interview with Instant Bollywood. She was asked what quality she would most like to take from him.

Mahvash replied, "His niceness and how humble he is. He is genuinely one of the most caring people you'll ever come across. He's always available for the people he loves. I'd definitely steal that part of him."

On the work front, Mahvash recently stepped into acting with a web series titled Pyar Paisa Profit.

The show is based on Durjoy Datta's popular novel Now That You're Rich… Let's Fall In Love. It is currently streaming on Amazon MX Player and features actors like Pratik Yadav, Mihir Ahuja, Neil Bhoopalam, Nitish Sharma, Shivangi Khedkar and Ashish Raghav.

Kangana Ranaut Shocked By Sunjay Kapur's Sudden Death: 'A Bee Went Into His Mouth'

Actress Kangana Ranaut couldn't help but reflect on the uncertainty of life after learning about the sudden passing away of Karisma Kapoor's ex-husband Sunjay Kapoor.If the reports are to be believed, a bee went inside the businessman's mouth during a polo match, blocking his windpipe, and finally leading to a fatal heart attack.

Shocked by the sudden passing away of the industrialist, Kangana penned on her Instagram stories, "In another unbelievable event, Sunjay Kapoor (Karisma Kapoor's ex-husband) was on the polo ground, a bee went into his mouth (yes madhamakkhi on the polo ground) stung him and blocked his windpipe, he couldn't breathe so he asked the game to be stopped but immediately died of a cardiac arrest."

2025 has been a year of some unexpected incidents, such as the Pahalgam attack, Operation Sindoor, Bengaluru Stampede, and most recently, the Air India crash in Ahmedabad, which led to the death of 241 people on-board.

Just like many of us, the diva has also given up on trying to make sense of any of this. "Such a tragic news. Also I am done with trying to make sense of all the bizarre events that 2025 is bringing in to our lives. Everyone stay safe and keep praying to God," Kangana concluded her post.Businessman-author-actor Suhel Seth, who was close to Sunjay shared the unfortunate news on social media on Thursday.He took to his X handle (Earlier known as Twitter) and shared, "Deeply saddened at the passing of @sunjaykapur : he passed away earlier today in England: a terrible loss and deepest condolences to his family and to his colleagues @sonacomstar …Om Shanti".Karisma tied the knot with Sunjay on September 29, 2003, in a Sikh wedding. The couple filed for divorce through mutual consent in 2014, and their divorce was finalised in 2016.In 2016, Karisma even filed a domestic violence case against Sunjay and his mother.

Uorfi Javed Joins The Luv Letter Trend With The OG Kanika Kapoor

Luv Letter, Kanika Kapoor's 2016 peppy track, has become a viral trend. Several people have been sharing reels on the 'drop remix' version of the song, particularly the phrase 'Kariyo Na Mujhse Tu Jhoote Moote Waade', gaining significant traction on social media. Not just fans but even celebs could resist themselves to hop on the viral trend and the latest one to join the bandwagon is Uorfi Javed. But there's a catch.

The Bigg Boss OTT fame collaborated with the 'OG Trendsetter' singer Kanika Kapoor herself to join this viral trend on social media. Taking to Instagram, the clip depicts Uorfi reacting to the gunshot sound effect by making a finger gun, while the singer reacts to the drop effect that comes in between the lyrics of the song. Sharing the clip, she wrote in the caption, "Doing the trend with the og trendsetter Kanika Kapoor."

In no time, the comment section was flooded with reactions from fans and admirers. An Instagram user wrote, "Super, you look so pretty." Another one commented, "So pretty." One of them shared, "Two beauties in one frame."

Coming back to the song, sung by Kanika and Meet Bros, it was composed by Meet Bros Anjjan and the lyrics were written by Kumaar. The song has been viewed more than 20 crore times on YouTube.Apart from this, Kanika is also known for her hit tracks like Baby Doll, Chittiyaan Kalaiyaan, Desi Look, Nachan Farrate, Premika, Tukur Tukur, Beat Pe Booty and Oo Antava among others.Uorfi, on the other hand, could be currently seen in the reality show, The Traitors, streaming on the OTT giant Amazon Prime Video. Hosted by Karan Johar, the show features 20 renowned Indian celebrity candidates who plan, betray, and strategise to showcase their skills throughout the competition.Apart from her, the reality show also features celebs like Karan Kundrra, Lakshmi Manchu, Jannat Zubair, Jasmin Bhasin, Apoorva Mukhija, Ashish Vidyarthi, Elnaaz Nourouzi, Harsh Gujral, Mukesh Chhabra, Nikita Luther, Purav Jha, Raftaar, Raj Kundra, Sahil Salathia and Sudhanshu Pandey.